दीप कमल

अप्रैल 2025 , ₹ 10.00

घर की बात

विकास परब

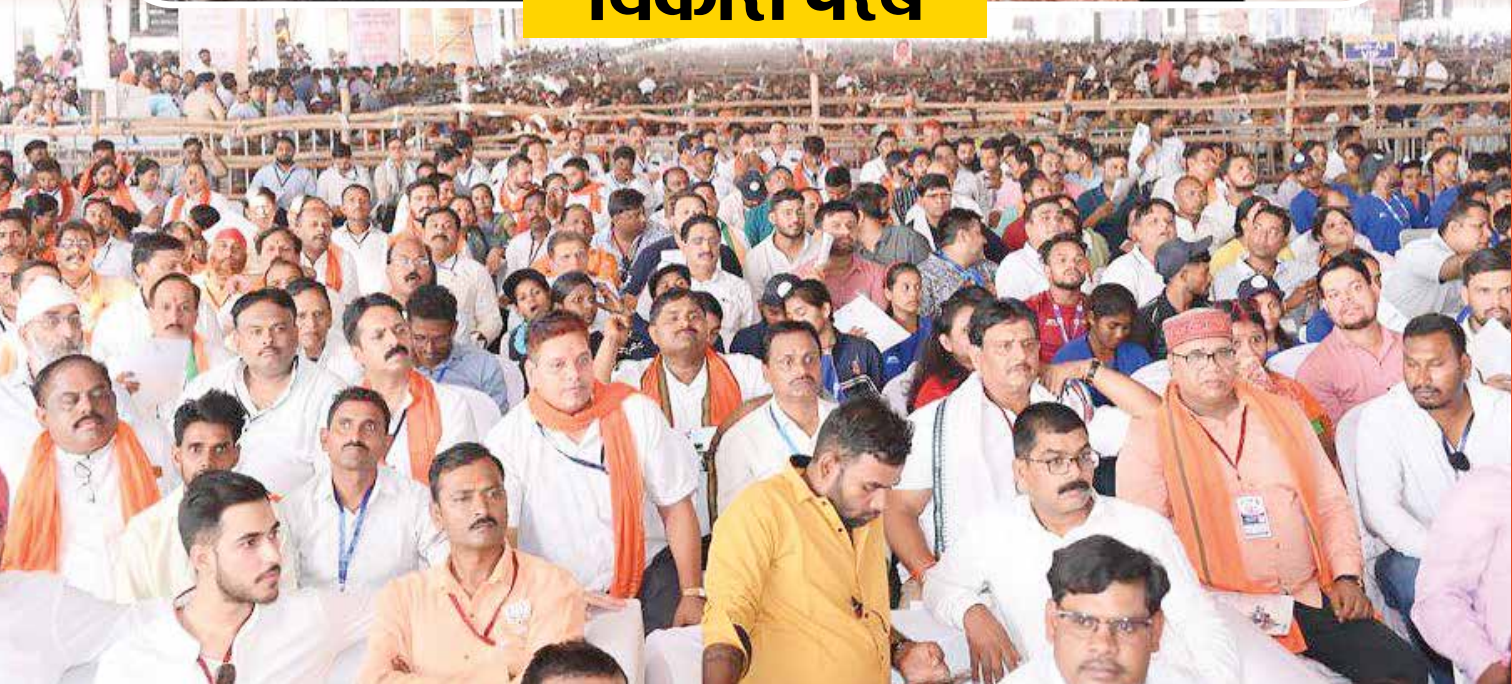

दीप कमल

वर्ष-21, अंक-4, अप्रैल 2025

संपादक
पंकज कुमार झा

प्रबंध संपादक
हेमंत पाणिग्रही

मुद्रक एवं प्रकाशक
किरण देव द्वारा, भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ के लिए, विश्व परिवार से मुद्रित एवं कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, बोरियाकला, रायपुर से प्रकाशित।

पत्रिका दीप कमल के इस अंक का पीडीएफ प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्केन करें।

www.deepkamal.online

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

mydeepkamal@gmail.com
0771-2233500, 2233511
92016-33511

सोशल मीडिया से

President of India @ras... · 24 Mar

छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं विद्यमान हैं। राज्य के आप सब नीति-निर्माताओं पर विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने की ज़िम्मेदारी है। इसके साथ ही समाज के सभी वर्गों को आधुनिक विकास-यात्रा से जोड़ना भी आपका उत्तरदायित्व है।

Narendra Modi @narendramodi

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में उत्साह और उमंग के साथ मुझे आशीर्वाद देने आए अपने परिवारजनों का हृदय से अभिनंदन!

Jagat Prakash Nadda @JPNadda

संविधान निर्माता 'भारत रत्न' डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर आज दिल्ली स्थित राष्ट्रीय स्मारक महापरिनिर्माण स्थल में बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

बाबा साहेब ने समाज के कमजोर एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के उत्थान एवं समाज में व्याप्त बुराइयों को मिटाने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सामाजिक समरसता, एकता और मानवाधिकारों के लिए समर्पित उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है।
#AmbedkarJayanti

Amit Shah @AmitShah

मोदी जी के नेतृत्व में हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को हाशिये पर ला दिया है। चाहे बीहड़ जंगल हो या उफनती नदी, चाहे कड़ाके की सर्दी हो या भीषण गर्मी, हमारे वीर कमांडरों ने अपने शौर्य और पराक्रम से करोड़ों जीवन को नक्सल प्रभाव से मुक्त किया है। आज दंतेवाड़ा में एंटी-नक्सल अभियान के ऑपरेशनल कमांडरों के साथ संवाद किया।

Vishnu Deo Sai @vishnudsai

लब्धप्रतिष्ठ समालोचक, प्रेमचंद एवं प्रवासी साहित्य के विशेषज्ञ, अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. कमल किशोर गोयनका जी का निधन साहित्यिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। विनम्र श्रद्धांजलि!

Kiran Singh Deo · 2d

आज भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर रायपुर स्थित स्मृति मंदिर में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री आदरणीय श्री Shivprakash जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री Vishnu Deo Sai जी, प्रदेश प्रभारी माननीय श्री Nitin Nabin जी, माननीय क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री Ajay Jamwal जी एवं माननीय प्रदेश संगठन महामंत्री श्री Pawan Kumar Sai जी के साथ पार्टी के पितृ पुरुषों को नमन किया।

इस दौरान भाजपा स्थापना दिवस पर कार्यालय में लगी प्रदर्शनी देखा।

नया वक्फ कानून भी बाबासाहेब की स्मृति को सच्ची श्रद्धांजलि है!

14 अप्रैल 1891
6 दिसंबर 1956

भारत रत्न बाबासाहेब संग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी।

पिछले 3 और 4 अप्रैल की दरम्यानी रात देर तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ टीवी पर नजर बनाए बैठे थे। दिन भर के स्वाभाविक व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उन्हें यह होते हुए देखने की इच्छा थी जब सदन बहुमत से वक्फ संशोधन विधेयक को पारित करे। रात के लगभग दो बजे, जब तक कि मतदान हो नहीं गया, निर्णय देश के पक्ष में जब तक आया नहीं, तब तक श्री साय इसी तरह डटे रहे थे। कार्यकर्ताओं के साथ लगातार चर्चा यह चल रही थी कि वक्फ के जिन प्रावधानों की सबसे कम चर्चा हो रही है, लेकिन जो छत्तीसगढ़ समेत तमाम जनजातीय क्षेत्र के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है, वह है इस बिल में जनजातीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भूमि को वक्फ के नाम से हड़प लेने वालों से सुरक्षा।

बिल पारित हुआ और देर रात दो बजे के बाद एक पर एक लगातार किए चार पोस्ट में पहला पोस्ट ही मुख्यमंत्री ने इसी विषय पर करते हुए लिखा – *'वक्फ बिल के दोनों सदनों से पारित होने पर बधाई। यह बिल जनजातीय अधिकारों और उनके हितों की रक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। बिल में यह प्रावधान किया गया है कि 5वीं और 6वीं अनुसूची के क्षेत्रों में किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित नहीं किया जा सकेगा। इससे आदिवासी भूमि पर अवैध कब्जों पर प्रभावी रोक लगेगी और जनजातीय संस्कृति को संरक्षण मिलेगा। आभार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी।'*

वास्तव में जिस संविधान के रक्षा की बात कांग्रेस और उसके मित्र समूंह करते हैं, जनजातीय अधिकार की रक्षा के बिना उस रक्षा की बात सोची भी नहीं जा सकती। इस संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि नया वक्फ कानून बना कर जनजाति समाज के अधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित कर यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने वास्तव में बाबासाहेब की भावना को ही स्वर देकर भारतीय संविधान को मजबूत किया है। तुष्टीकरण की राजनीति के कारण 1993 और 2013 में अनावश्यक संशोधन कर जनजाति और वंचितों के अधिकार पर कुठाराघात, वास्तव में संविधान की हत्या का ही कुप्रयास था। यह कुछ-कुछ वैसा ही था जैसे 1975 में आपातकाल लगा कर संविधान हत्या की कुचेष्टा की गयी थी। तब भी के विचारों की हत्या का कृत्य ही किया गया था।

यहां यह स्पष्ट तौर पर कहना चाहिए कि आज हम जिस आजादी की हवा में सांस ले रहे हैं, बाबासाहेब के संविधान के तहत एकता और अखंडता का सुख भोग रहे हैं, उस संविधान और स्वतंत्रता दोनों को आपातकाल के दौरान समाप्त कर दिया गया था। यह कहा जा सकता है कि महात्मा गांधी के युग में जिस स्वतंत्रता को सेनानियों ने प्रातः स्मरणीय बलिदान देकर प्राप्त किया था, जिसे गणतंत्र के निर्माण में योगदान हेतु बाबासाहेब प्रभृत्ति मनीषी युगों तक याद किए जायेंगे, यह आजादी और गणतंत्र वास्तव में कांग्रेस से लड़ हासिल की गयी है। यह गैर कांग्रेसी विचारधारा के और राष्ट्रवादी विचारधारा के बलिदानियों, जेपी, अटल-आडवाणी-नानाजी समेत लाखों सेनानियों के त्याग और बलिदान से पायी गयी है।

ऐसे सेनानियों के योगदान को समादृत करने छत्तीसगढ़ की तात्कालीन डॉ. रमन सिंह जी की सरकार ने आपातकाल सेनानियों के लिए सम्मान निधि देने का निर्णय लिया था। उन्हें तबसे मिल रही पेंशन को पिछली कांग्रेस सरकार ने दुर्भावनावश समाप्त करके अपनी यही भावना प्रकट की थी कि कांग्रेस आज भी आपातकाल वाली मानसिकता में ही जी रही है और संविधान या बाबासाहेब की चर्चा विवशतावश ही उसे करना पड़ रहा है।

प्रदेश में पुनः भाजपा सरकार बनते ही न केवल आपातकाल के विरुद्ध युद्धरत रहे प्रदेश के सेनानियों की सम्मान निधि बहाल की गयी, उनका बकाया सारा भुगतान किया गया बल्कि विष्णुदेव साय जी की सरकार ने अब बकायदा कानून बना कर यह सुनिश्चित किया है कि भविष्य में कभी भी यह सम्मान निधि बंद नहीं की जा सकेगी चाहे परिस्थितियां कैसी भी हो। यह भी संविधान निर्माता बाबासाहेब के प्रति भाजपा सरकार की एक श्रद्धांजलि ही समझा जाना चाहिए।

हममें से अधिकांश लोग शायद इस तथ्य को नहीं जानते होंगे कि मध्यप्रदेश-बिहार के आदिवासी अंचल के विकास के लिए सबसे पहले बाबासाहेब ने ही दोनों राज्य के विभाजन की बात कही थी। वे चाहते थे कि इन आदिवासी बहुल क्षेत्रों को अलग राज्य के रूप में पहचान मिले। जब भारत रत्न अटलजी ने आदिवासी बहुलता के कारण छत्तीसगढ़-झारखंड राज्य का गठन किया तो वह इस दृष्टि से बाबासाहेब की भावना का समादर और संविधान की दृढ़ता के लिए उठाया गया कदम ही समझा जाना चाहिए। आज जरूरतमंदों और वंचित समाजों के आरक्षण समेत अन्य प्रावधानों से जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ों को आगे लाने का काम चल रहा है, उसके स्वप्नद्रष्टा भी बाबासाहेब ही हैं। यह उन्हीं के कारण संभव हुआ जिसे आज देश-प्रदेश की सरकारें आगे बढ़ा रही हैं।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि अखंड भारत का स्वप्न बाबासाहेब भी देखते थे। उन्होंने भारत विभाजन का भी विरोध किया था। बकौल भीमराव – 'जब तक सामाजिक समरसता का भाव पूर्णतः राष्ट्र में उत्पन्न नहीं होगा तब तक राष्ट्रवाद की स्थापना नहीं हो पाएगी।' आज अपने अनेक ऐतिहासिक निर्णयों से समरस समाज बनाने की जो सफल कोशिश पीएम नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हो रही है, निस्संदेह उससे राष्ट्रवाद मजबूत होगा, ऐसा हो भी रहा है। बाबासाहेब ने कहा था – 'मुझमें और सावरकर में इस प्रश्न पर न केवल सहमति है, बल्कि सहयोग भी है कि हिंदू समाज को एकजुट और संगठित किया जाये, और हिंदुओं को अन्य मजहबों के आक्रमणों से आत्मरक्षा के लिए तैयार किया जाए।'

बाबासाहेब न केवल अखंड राष्ट्र के पक्षधार थे बल्कि वे अनुच्छेद 370 को भी राष्ट्रीय एकता में बाधक मानते थे। समान नागरिक संहिता समेत उनके तमाम विचारों पर भाजपा आज शब्दशः अमल करने की कोशिश कर रही है। यहां तक कि उनका मतांतरण भी आज की तरह राष्ट्रांतरण जैसा नहीं था, ऐसा उन्होंने स्वयं भी कहा है। उन्होंने कहा था 'बौद्धमत भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। मैंने सावधानी बरती है कि मेरे पंथ-परिवर्तन से इस देश की संस्कृति और इतिहास को कोई हानि न पहुंचे।'

पीएम मोदी ने हमेशा बाबासाहेब की स्मृतियों के प्रति अगाध आदर दिखाया है। बात चाहे भीमराव अम्बेडकर के दिल्ली स्थित घर अलीपुर रोड में राष्ट्रीय स्मारक स्थापित कराने की हो या उनसे जुड़े पांच प्रमुख स्थानों को 'पंच तीर्थ' के रूप में विकसित करने की, आज बाबासाहेब अनेक जबरन बनायी गयी छवियों, पैदा किए गए बनावटी नेताओं, गढ़े गए झूठे नैरेटिव्स के विरुद्ध नए सिरे से प्रासंगिक हैं।

आज भारत रत्न अम्बेडकर की स्मृति को वैसा समादृत करने की सतत कोशिश हो रही है जैसा होना वे डिजर्व करते थे, जैसा उन्हें नहीं होने दिया गया था। उनके जीवित रहते उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर करने, चुनाव हराने से लेकर, उनके परिनिर्वाण के बाद उनकी स्मृति को कमतर दिखाने की तमाम कोशिशें की गयी। हर हाल में केवल परिवार विशेष का महिमामंडन करते रहने वाले कांग्रेस जैसे दल अगर आज बाबासाहेब का जिक्र कर भी रहे हैं, तो उनकी विवशता समझी जा सकती है। संविधान में दर्जनों अनाप-शनाप संशोधन करने वाले, दर्जनों बार चुनी हुई सरकारों को अकारण बर्खास्त कर संविधान को समाप्त करने वाले, आपातकाल लगा कर संविधान की हत्या करने वाले दल भी अगर आज संविधान को सीने से लगाये फिरने का पाखंड कर रहे हैं तो यह भी समझा जा सकता है कि बाबासाहेब के विचार आज और अधिक प्रासंगिक हैं।

सादर नमन। ।•••

पंकज...

@pankaj_media
Email: mydeepkamal@gmail.com

हाँ... मैंने अटलजी का नमक खाया है!

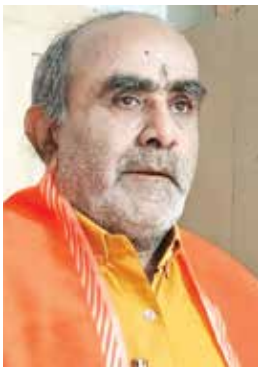

अनिल पुरोहित

वस्तुतः अटलजी के संपूर्ण व्यक्तित्व को एक ओर जहां उनका कवि-मन प्रभावित करता था, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्कार उन्हें सार्वजनिक जीवन में शुचिता के लिए प्रेरित करते थे। यही कारण है कि राजनीति के हल्के खेल वे कभी नहीं खेले।

भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक यात्रा के गौरवपूर्ण 45 वर्ष पूरे होने पर भारतीयता, राष्ट्रीयता, मानवता, सहृदयताऔर उदात्तता की भावभूमि पर सर्जना के स्वरों को मुखरित करके संसद और उसके बाहर पूरे देश को मंत्रमुग्ध करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व. अटलबिहारी वाजपेयी जी और छत्तीसगढ़ के रिश्तों की चर्चा सहज स्वाभाविक ही है। अटलजी ने लगभग 55 वर्षों तक देश की राजनीति को वैचारिक दृष्टि देकर सही दिशा का बोध कराने में अहम भूमिका का निर्वहन किया है। अपनी विशिष्ट राजनीतिक शैली और वाक्-पटुता के कारण अटलजी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु रहे हैं। भारतीय जनसंघ और फिर भाजपा और भारतीय राजनीति में अटलजी ने जो प्रतिमान गढ़े, वे एक युग का आदर्श हैं। अटलजी ऐसे राजनीतिक नेताओं की पीढ़ी के महत्वपूर्ण सदस्य थे, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में नैतिकता और सिद्धांतों के साथ कभी समझौता नहीं किया।

वस्तुतः अटलजी के संपूर्ण व्यक्तित्व को एक ओर जहां उनका कवि-मन प्रभावित करता था, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्कार उन्हें सार्वजनिक जीवन में शुचिता के लिए प्रेरित करते थे। रिश्तों की मर्यादा और उन्हें निभाने का व्यावहारिक दृष्टिकोण जो अटलजी में दिखाई देता था, वह बिरले ही नजर आता है। यही कारण है कि पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी के साथ वे पांच दशक से भी अधिक समय तक अपने रिश्तों का निर्वहन निर्बाध रूप से करते रहे।

अटलजी और छत्तीसगढ़ : स्मृति-पटल पर अंकित सतत् स्मरणीय क्षण

श्रद्धेय अटलजी पहले भी अनेक बार छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों पर प्रवास कर चुके थे, लेकिन 1979 में जनता सरकार के विसर्जन के बाद रायपुर में हुई सभा में पहली बार उनको प्रत्यक्ष सुनने का मुझे अवसर मिला था। 1977 में विदेश मंत्री बनने के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ में उनका हिन्दी में दिया भाषण काफी चर्चा में था। उस भाषण के कुछ अंश उन दिनों सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने के पहले ट्रेलर के तौर पर दिखाए जाते थे और मैं वह सुनने-देखने रोज सिनेमाघर पहुंच जाता और गेटकीपर से अनुनय-विनय करके बस दो-ढाई मिनट का वह ट्रेलर गेट पर ही खड़े-खड़े देख-सुनकर वापस लौट आता।

सन् 1980 में भाजपा के गठन के बाद जुलाई माह के दूसरे पखवाड़े (संभवतः 18 से 20 जुलाई, 1980) में रायपुर में रेलवे स्टेशन के पास स्थित गुर्जर क्षत्रिय धर्मशाला में अविभाजित मध्यप्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं का तीन दिनों का अभ्यास वर्ग आयोजित था। इस निमित्त श्रद्धेय स्व. अटल जी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते पूरे समय मार्गदर्शन के लिए रायपुर आए थे। अटल जी के लिए इसी धर्मशाला के ठीक बाजू में स्थित सत्यनारायण धर्मशाला में एक कक्ष विश्रामादि के लिए आरक्षित था।

बैठक के तीन-चार सत्रों में उनका मार्गदर्शन मिला और उसी दौरान रायपुर में उनकी एक विशाल जनसभा भी हुई थी। वर्ग के पहले दिन अपराह्न में रायपुर रेलवे स्टेशन के पास स्थित सत्यनारायण धर्मशाला में उनकी पत्रकार वार्ता हुई थी। वार्ता के दौरान श्रद्धेय स्व. कुशाभाऊ ठाकरे जी के साथ ही भाजपा की तत्कालीन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी भी उपस्थित थीं। पत्रकार वार्ता के बाद अटलजी अपनी बायीं ओर बैठीं श्रीमंत राजमाता जी से किसी विषय पर गंभीर मंत्रणा कर रहे थे, तभी शुभचिंतक छायाकार स्व. बीएल डूंभरे ने चित्र क्लिक किया था, जो मेरे लिए एक अनमोल धरोहर है।

तब मैं महाविद्यालयीन अध्ययन के साथ ही रायपुर से प्रकाशित होने वाले हिन्दी दैनिक 'युगधर्म' से पत्रकारिता के क्षेत्र से संवाददाता के रूप में जुड़ा था। उस वर्ग के लिए भाजपा ने अविभाजित रायपुर जिले के कुछ चुनिंदा कार्यकर्ताओं को वर्ग की व्यवस्था में सहयोग के लिए चयनित कर बुलवाया था। इनमें से एक मैं भी था और मुझे अटलजी के सेवा-सत्कार व विश्राम आदि की व्यवस्था करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी।

इस वर्ग में अविभाजित मध्यप्रदेश भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी जी,

स्व. अटलजी, स्व. कुशाभाऊ ठाकरे, स्व. दुलीचंद प्रजापति व छगनलाल मुंदड़ा के साथ लेखक की एक दुर्लभ तस्वीर।

वीरेंद्रकुमार सखलेचा जी व सुंदरलाल पटवा जी के साथ प्यारेलाल जी खंडेलवाल, गोविंद सारंग जी, कैलाश सारंगजी, राजेंद्र धारकर जी, सत्यनारायण सत्तन जी सहित अविभाजित मप्र भाजपा के सभी पदाधिकारी, तत्कालीन विधायक, सांसद, पूर्व मंत्री-आदि उल्लेखनीय हैं। तब रायपुर के ही वामपंथी विचारों के माने-जाने वाले एक दैनिक अख़बार ने समाचार छापा था- 'तीन पूर्व मुख्यमंत्री बनियान पहने, एक साथ, एक कमरे में।' उसी समाचार पत्र ने श्रीमंत राजमाता जी का एक साक्षात्कार भी ट्विस्ट करके छापा था और भाजपा नेताओं में भ्रम पैदा करने की विफल कोशिश की थी। अटलजी तक यह बात पहुंची तब पत्रकार वार्ता के बाद उन्होंने राजमाता जी से इस संबंध में चर्चा कर इसका समाधान कर दिया, लेकिन आमसभा में 'तीन पूर्व मुख्यमंत्री बनियान पहने, एक साथ, एक कमरे में' वाले समाचार को लेकर चुटकी ली और कहा कि यह दृश्य केवल भाजपा में ही दिख सकता है, क्योंकि हम एक परिवार-भाव के साथ साथ-साथ जीने और काम करने की कला जानते हैं।

संभवतः दूसरे दिन रात को सत्यनारायण धर्मशाला में ही अटल जी के सान्निध्य में एक कवि गोष्ठी हुई, जिसमें भाजपा के कवि-हृदय राजनेताओं ने अपनी रचनाओं से वर्ग में शामिल सभी कार्यकर्ताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इंदौर के सत्यनारायण सत्तन जी ने क्रांतिकारियों भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव को दी जाने वाली फांसी से एक रात पहले का वर्णन अपनी कविता में करके सभी के नयन सजल कर दिए थे। बाद में वर्ग के समापन सत्र में कार्यकर्ताओं के आग्रह पर अटल जी की उपस्थिति में सत्तन जी ने वह कविता फिर सुनाई।

समापन सत्र के बाद अटल जी अपने कक्ष से गुर्जर धर्मशाला में भोजन के लिए निकले तो अपना दायित्व-निर्वहन करता मैं उनके साथ था। वर्ग के लिए मिली पार्टी की प्रवेशिका मेरे कुर्ते पर लगी थी और चलते-चलते अटल जी ने उस पर अंकित नाम अनिल पुरोहित कहकर पढ़ा तो मैं गदगद हो गया! इसी के बाद भोजन के लिए पंगत में बैठे अटलजी के ठीक बाजू में एक स्थान रिक्त था और यह देख मैं अटल जी के साथ भोजन करने बैठ गया। भोजन परोसते समय कार्यकर्ता ने उनकी थाली में नमक परोसा, अटल जी ने मुझसे कहा, कार्यकर्ता नमक अधिक परोस गया है। मैं तत्काल उनकी थाली का नमक अपनी थाली में लेने लगा तो मुस्कुराकर कहने लगे- अरे भाई, थोड़ा मेरे लिए भी छोड़ दो। अपनी थाली में लिया वह नमक मैंने जूठा नहीं छोड़ा। **किसी और की तो नहीं कह सकता, मुझे तबसे आजतक इस बात का गर्व है कि मैंनें अटलजी का नमक खाया है और यह गर्व जीवन पर्यंत रहेगा।**

ओडिशा जाते हुए अटलजी का सान्निध्य जब बागबाहरा के कार्यकर्ताओं को मिला

मेरे पू. पिताश्री श्रद्धेय स्व. देवकृष्ण पुरोहित जी प्रसंगवश चर्चा के दौरान अटल जी के छत्तीसगढ़ प्रवास के बारे में बताया करते थे। एक बार अटल जी रेल से प्रवास कर रहे थे। उसी ट्रेन से पिताजी भी दूसरी बोगी में यात्रा कर रहे थे। जनसंघ के एक पदाधिकारी द्वारा दिए गए दायित्व का निर्वहन करते हुए पिताजी हर रेलवे स्टेशन पर उतरकर अटलजी के पास जाते और उनकी ज़रूरतों का ध्यान रखते। यह संभवतः 1962 के आसपास का कालखंड था। अटलजी की बिलासपुर में सभा थी। पिताजी बताते थे कि सभा से पहले विश्राम के क्षणों में एक कमरे में ज़मीन पर बैठकर वे कोई रचना लिपिबद्ध कर रहे थे। जैसा पिताजी बताते थे, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर को यह गौरव हासिल है कि 'जीता-जागता राष्ट्रपुरुष' अटलजी ने सबसे पहले बिलासपुर की सभा में सुनाया था।

मार्च, 1995 में ओडिशा (तब उसे उड़ीसा कहा जाता था) राज्य में विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र भाजपा की चुनावी सभाएं लेने के लिए अटलजी कार द्वारा रायपुर से निकले तो रास्ते में पड़ने वाले मेरे गृहनगर बागबाहरा (छत्तीसगढ़) के अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं ने अभिभूत होकर उनका भावभीना अभिनन्दन किया! उनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता, विचारक-पत्रकार और मेरे पूज्य पिताश्री श्रद्धेय स्व. देवकृष्ण पुरोहित जी के अलावा स्व. गोपालदास व्यास जी, स्व. नंदकिशोर अग्रवाल जी, स्व. गजेंद्र तिवारी जी, स्व. नानालाल चौहान जी, स्व. नरेंद्र अग्रवाल जी समेत भाजपा-भाजयुमो के पदाधिकारी व कार्यकर्ता काफी संख्या में थे। जोश से भरे कार्यकर्ता गगनभेदी नारों से उनका स्वागत कर रहे थे। **'प्रधानमंत्री की अगली बारी, अटलबिहारी-अटलबिहारी' नारा सुनकर अटलजी ने अपनी चिर-परिचित विनोद की शैली में कहा- 'वह बारी जब आएगी, तब आएगी, अभी तो भोजन की बारी है। भूख लगी है, भोजन की कोई व्यवस्था है?'** संयोग से स्व. नरेंद्र अग्रवाल का निवास मुख्यमार्ग पर स्वागत स्थल के एकदम निकट था और उसी दिन उनके घर पर उनके पुत्र राहुल अग्रवाल के जन्मदिन पर पारिवारिक उत्सव और भोजन का कार्यक्रम था। कार्यकर्ताओं के आग्रह पर अटलजी पैदल अग्रवाल-निवास पहुंचे और लगभग पौन घंटे वहां भोजनादि के लिए रुके। इसी समय उनकी दृष्टि मेरे पिताश्री पर पड़ी। स्लिपडिस्क के कारण मेरे पिताजी चलने-फिरने में संतुलन बनाए रखने के लिए बेंत का सहारा लेते थे। आपातकाल में नजरबंदी के दौरान अटलजी को भी स्लिपडिस्क के कारण शारीरिक कष्ट उठाना पड़ा था। पिताजी की वरीयता व स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए अटलजी ने उन्हें संकेत करके बुलाया और अपने पास ही बैठने को कहा। उसी दौरान कैमरे की मदद से एक यादगार पल सहेजा गया था जिसमें पिताजी अटलजी के ठीक दायीं ओर बैठे दिख रहे है। इस प्रवास के लगभग सवा साल बाद ही अटलजी ने सन् 1996 में पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

भाजपा की गौरवशाली यात्रा के मौके पर श्रद्धेय अटल जी की पावन स्मृतियों को कोटिशः नमन!!

जितनी बड़ी जीत उतनी बड़ी जिम्मेदारी

भाजपा के नगरीय निकाय व जिला पंचायतों के विजयी प्रतिनिधियों की बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित की गई। जिसमें नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए आगामी विकास कार्यक्रमों व संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी ने एक स्वर में कहा कि हमारी विजय विशाल है तो संकल्प भी विशाल होगा। इस मौके पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जम्वाल, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, प्रदेश प्रभारी नीतिन नबीन व प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विशाल जनादेश से हमारी जिम्मेदारी बढ़ी है : किरण देव

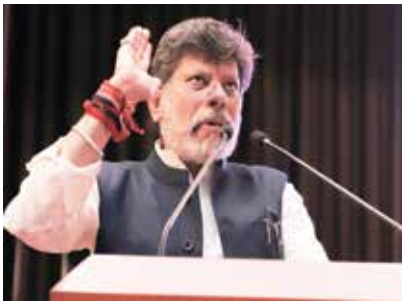

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा कि लगातार सवा साल से विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव, उप चुनाव, के बाद निकाय और पंचायत चुनावों में ऐतिहासिक जीत हमारे लिए महत्वपूर्ण अवसर है। यह अभूतपूर्व विजय है। विधानसभा चुनाव में हमारा वोट प्रतिशत 46 था जो लोकसभा में बढ़कर 51 प्रतिशत हुआ और निकाय व पंचायत चुनाव में हमारा वोट प्रतिशत 55 हुआ है। यह बड़ा जनादेश है। पंचायत से पार्लियामेंट तक भाजपा का परचम फहराने का लक्ष्य पूर्ण हुआ। इतने बड़े जनादेश के पीछे बहुत से समीकरण और कार्यकर्ताओं के परिश्रम के साथ ही केन्द्र और प्रदेश की विष्णुदेव सरकार के कार्यों पर जनता ने विश्वास किया है। केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का क्रियानवयन पंचायत व वार्ड स्तर पर होना है इसलिए अब हमें और अधिक सक्रिय होना होगा। जितनी बड़ी सफलता, उतनी बड़ी जिम्मेदारी इस बात को ध्यान में रखकर जनहित में हम अपनी भूमिका का निर्वहन करें। जनता का भाजपा पर विश्वास बढ़ रहा है। उन्होंने निर्वाचित जन प्रतिनिधियों से विनम्रतापूर्वक जनसेवा में जुटने का आह्वान किया।

इस जीत से मिलेगी विकास को नवप्रगति : नितिन नबीन

भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की जीत इस बात की प्रतीक है कि हमारी पहचान कमल का निशान हैं। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी जवाबदेही को नहीं भूलें। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव को देते हुए उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के नाते जनता

की बात सुनें, उनकी समस्याओं के निदान में प्रामाणिकता का परिचय दें। प्रदेश में पंचायत से लेकर सदन तक भाजपा मजबूत है। जन प्रतिनधि यह बात हमेशा ध्यान रखें कि हमें अनुशासन पर ध्यान देना होगा। हमारी इस जीत से प्रदेश की विकास को हम नवगति देंगे। भाजपा ही जनता के सामने एक मजबूत विकल्प है। इसलिए सभी चुनाव में जनता का समर्थन हमारे साथ है।

विकास और बदलाव आपकी जिम्मेदारी :अजय जम्वाल

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के लिए समर्पित रहना है। 2047 तक पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक भाजपा की सरकार होगी तो देश में सुशासन आएगा। देश ने कांग्रेस के विकल्प के रूप में भाजपा पर भरोसा किया है। इस भरोसे पर खरा उतरकर हम सुशासन ला सकते हैं। आप सब पर ही विकास और बदलाव की जिम्मेदारी है।

हमें जनता के विश्वास पर खरा उतरना होगा : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि यह परिवर्तन छत्तीसगढ़ की फिजा बदल दी है। चहुंओर केसरिया और भगवा फहरा रहा है। सत्ता बदली है, अब व्यवस्था को बदलने की जिम्मेदारी हमें निभाना है। व्यवस्था में परिवर्तन लाकर हम छत्तीसगढ़ को एक आदर्श राज्य बनाएं। निकाय व पंचायत चुनाव में जीत हासिल ऐतिहासिक है। हमें इस विशाल विजय को विनम्रता से स्वीकारना होगा।

ऐतिहासिक जीत की चर्चा पूरे राष्ट्र में हो रही है : पवन साय

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों व कार्ययोजनाओं की रूपरेखा रखी। उन्होंने कहा कि विधानसभा से लेकर हाल के निकाय व पंचायत चुनाव तक भाजपा की ऐतिहासिक जीत की पूरे देश में चर्चा हो रही है और कहा जा रहा है कि भाजपा ने छत्तीसगढ़ में इतिहास बदल दिया है। हमारे लिए यह जीत प्रेरणादायी है। हम जन अकांक्षाओं के पूर्ति के लिए हमेशा जुटे हुए हैं। आप सभी की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि प्रदेश के समग्र विकास के लिए लक्ष्य आधारित कार्यक्रम व योजनाएं बनायें। जिससे विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूर्ण किया जा सके। ।•••

कार्यक्रम के दौरान दीपकमल के विजय विशेषांक का हुआ लोकार्पण।

बाबासाहेब की कट्टर विरोधी रही है कांग्रेस

भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर कार्यशाला का आयोजन हुआ। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित कार्यशाल को भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राज्य सभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के सम्मान को लेकर हम सबको मिलकर कार्यक्रम करना है। लोकसभा चुनाव के दौरान हमने देखा कि कांग्रेस के राहुल गांधी और इण्डी गठबंधन के लोग भारत के संविधान की किताब लहराकर कहते थे कि भाजपा को संविधान और आरक्षण विरोधी बताकर झूठा नैरेटिव सेट करने में लगातार लगे रहे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने से पहले राष्ट्रीय सम्मानों का राजनीति के आधार पर आकलन होता था लेकिन अब वास्तविक सुपात्रों को राष्ट्रीय अलंकारों से सम्मानित किया जा रहा है जो क्षेत्र में अग्रणी हैं, सेवा समर्पण त्याग आदि करने वाले हैं। एक ओर कांग्रेस ने बाबासाहेब का दिल्ली में अंतिम संस्कार नहीं होने दिया, वहीं दूसरी ओर भाजपा की सरकार ने बाबासाहेब के उन स्थानों को पंच तीर्थ घोषित किया। श्री वाजपेयी ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने भारत रत्न का सम्मान दिया और उनका चित्र संसद के केंद्रीय कक्ष में भी लगवाया।

प्रदेश के खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि इस कार्यशाला के लिए कार्यक्रम तय किए गए हैं। यह पार्टी का कार्यक्रम है और बूथ स्तर एवं मंडल स्तर पर हम तक सबको जाना है। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के साथ कांग्रेस ने जो अन्याय किया, भेदभाव किया, अपमान किया, वह विस्तारपूर्वक ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को बताना है। कांग्रेस ने अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों को गलत प्रचार किया है।

जांजगीर-चाँपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि पूरा देश बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान से चल रहा है और डॉ. अम्बेडकर की विचारधारा को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चल रहे हैं। कांग्रेस ने हमेशा देश को भ्रम में डालकर लोगों को गुनराह करने का काम किया है। इस कार्यक्रम से हमें लोगों को सच से वाकिफ कराना है।

भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने कई तरह से भेदभाव, अपमानों को सहा था। डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत को मिटाने के लिए सबसे पहले समाज में एक आंदोलन किया। वे 1947 में विधि मंत्री बने और नए-नए कानून लाए। कांग्रेस ने हर प्रकार से लगातार उनका अपमान किया, तिरस्कार किया जबकि भाजपा ने उनके सम्मान के लिए कई योजनाएँ चलाई और काम किए हैं।

अभियान के संयोजक व रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू ने बताया कि बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल मनाई जाएगी। कोरोना जैसी भीषण परिस्थितियों में भी हमने डॉ. अंबेडकर की जन्म जयंती मनाई थी। डॉ. अम्बेडकर जयंती के निमित्त पार्टी के 13 से 25 अप्रैल तक प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर विशेष योजना बनाई है।

समरसता से समाज को एकसूत्र में बांधने वाले अंबेडकर : साय

14 अप्रैल को भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर पूरे प्रदेश में भाजपा ने बाबासाहेब के कृतित्व का स्मरण किया और उनके छाया चित्र, प्रतिमाओं में पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया। पूरे प्रदेश में भाजपा ने अंबेडकर जी की जयंती मनायी और विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसके साथ ही संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ, अनुसूचित बस्तियों में स्वच्छता एवं सामुदायिक सुविधा, रखरखाव अभियान सहित दीपोत्सव का आयोजन किया गया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में संविधान निर्माता, समाज सुधारक, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने जगदलपुर के लाल बाग मैदान एवं तिरंगा चौक में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर सादर नमन किया।

केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने बिलासपुर में पुलिस ग्राउंड के समीप अंबेडकर जी की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने बाबासाहेब की जयंती पर उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर सादर नमन किया। प्रदेश के सभी संगठन जिलों, मंडल-बूथों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ।•••

छत्तीसगढ़ में जनादेश और सुशासन अब एक उत्सव है

विष्णुदेव साय

यह लेख मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दैनिक 'नवभारत' में अतिथि संपादक के तौर पर लिखा है।

शासन का पहला वर्ष लोकतंत्र में लोकलाज की बहाली के नाम रहा था वहीं यह वर्ष निर्माण का है। पिछले शासन में विश्वासघात और वादाखिलाफी ने वास्तव में 'लोक' के सामने 'तंत्र' के प्रति भरोसे का एक संकट पैदा कर दिया था। भाजपा सरकार ने 'मोदी की गारंटी' के सभी वादे को पूरा कर इस खोए हुए विश्वास की फिर से बहाली की है। इस विश्वास की नींव पर 'अटल निर्माण' का संकल्प इस वर्ष का मूलमंत्र है।

छत्तीसगढ़ में 8 अप्रैल से सुशासन त्यौहार मनाए जाने की शुरुआत हुई है। तीन चरणों में 31 मई तक चलने वाले इस 'तिहार' में चरणबद्ध तरीके से 'संवाद से समाधान' तक की प्रक्रिया पूरी होगी। जनता को उनके क्षेत्र में ही समस्याओं का समाधान मिल जाय, इस हेतु प्रदेश सरकार ने यह तिहार प्रारम्भ किया है। अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही यह सरकार अनेक माध्यमों से, अनेक कार्यक्रमों, अभियानों और आयोजनों के द्वारा सरकार और जनता से सतत संवाद की खिड़कियां खोले रखने के ध्येय के साथ काम करती रही है। सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले वर्ष को 'विश्वास वर्ष' घोषित करते हुए 'जनादेश परब' मना कर सीधे अपने कामकाज का रिपोर्ट कार्ड जनता को सौंपा था। वर्तमान वर्ष को राज्य निर्माता अटलजी की स्मृति को समादृत करने शासन ने 'अटल निर्माण वर्ष' घोषित किया है।

शासन का पहला वर्ष लोकतंत्र में लोकलाज की बहाली के नाम रहा था वहीं यह वर्ष निर्माण का है। पिछले शासन में विश्वासघात और वादाखिलाफी ने वास्तव में 'लोक' के सामने 'तंत्र' के प्रति भरोसे का एक संकट पैदा कर दिया था। भाजपा सरकार ने 'मोदी की गारंटी' के सभी वादे को पूरा कर इस खोए हुए विश्वास की फिर से बहाली की है। इस विश्वास की नींव पर 'अटल निर्माण' का संकल्प इस वर्ष का मूलमंत्र है। यहां निर्माण से आशय बुनियादी ढांचे और अधोसंरचना का निर्माण तो है ही, इससे आगे बढ़ कर प्रदेश में शिक्षा, रोजी-रोजगार की बेहतर स्थिति का निर्माण, आवास, कृषि, उद्योग-व्यापार आदि के बेहतरी के लिए माहौल का निर्माण, अन्ततः छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता के लिए बेहतर अवसरों, सुनहरे भविष्य और जीवन सुगमता (ईज ऑफ लिविंग) का निर्माण जनता के लिए करना इस वर्ष का ध्येय निर्धारित किया गया है।

भाजपा की विचारधारा में सुशासन का अर्थ सीधे तौर पर रामराज्य की स्थापना से है। रामराज्य अर्थात् अच्छी नीति और नीयत के साथ दैहिक, दैविक, भौतिक तापों से जनता को मुक्त रखने का प्रयत्न करना है। प्रसिद्ध विचारक, मनीषी पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानव दर्शन' भी इसी विचार से प्रेरित है। इसी संकल्प की सिद्धि हेतु शासन के सभी अंग अहर्निश सेवारत हैं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने 'विकसित छत्तीसगढ़' बनाने योग्य परिस्थितियों के सृजन हेतु शासन प्राणप्रण से जुटा है। निस्संदेह लक्ष्य बहुत बड़ा है, किंतु अच्छी नीयत और लोक विश्वास से हर संकल्प सिद्ध हो सकता है, यह तय है।

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में समाज के हर अंग, लोकतंत्र के सभी स्तम्भों को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस विकास यात्रा में प्रेस जगत का योगदान भी महत्वपूर्ण है। ।•••

सामाजिक समरसता का मूलमंत्र मनखे-मनखे एक समान

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का छत्तीसगढ़ विधान सभा के रजत जयंती समारोह में भाग लेने रायपुर आगमन हुआ। महामहिम राष्ट्रपति ने प्रदेशवासियों को 25 वर्षों की लोकतांत्रिक यात्रा की बधाई दी और विधान सभा की उत्कृष्ट संसदीय परंपराओं की प्रशंसा की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के असाधारण मार्गदर्शन का परिणाम बताया और उनके प्रति सादर नमन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक यात्रा, जन-आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का एक प्रेरणास्पद उदाहरण है। उन्होंने अपने विधायक काल की स्मृतियाँ साझा करते हुए कहा कि जन-प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना जनसेवा की भावना से प्रेरित व्यक्तियों के लिए एक सौभाग्य होता है। उन्होंने विधान सभा को संस्कृति की संवाहक और नीति निर्धारण की दिशा देने वाला केंद्र बताया।

छत्तीसगढ़ विधान सभाः अनुकरणीय संसदीय आचरण का प्रतीक

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ विधान सभा द्वारा अपनाई गई अनुशासित और मर्यादित परंपराओं की सराहना की। विशेष रूप से उन्होंने 'स्वयमेव निलंबन' जैसे नियमों की सराहना की और इस बात को ऐतिहासिक बताया कि 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ विधानसभा में कभी भी मार्शल का उपयोग नहीं करना पड़ा।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने छत्तीसगढ़ को मातृशक्ति का साक्षात प्रतीक बताते हुए राज्य की सांस्कृतिक गरिमा को नमन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की विभूति मिनी माता को याद करते हुए उनके योगदान को नमन किया। साथ ही उन्होंने इस बात की सराहना की कि वर्तमान में विधान सभा में 19 महिला विधायक हैं और राज्य में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही है। राष्ट्रपति ने महिला विधायकों से आह्वान किया कि वे राज्य की अन्य महिलाओं को सशक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएँ। उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की भावना को धरातल पर उतारने की अपील की।

समावेशी समाज की दिशा में छत्तीसगढ़ की नीतियाँ

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने छत्तीसगढ़ विधान सभा द्वारा पारित 565 विधेयकों को समावेशी विकास की दिशा में ऐतिहासिक बताया। विशेष रूप से महिलाओं को रूढ़ियों पर आधारित प्रताड़ना से मुक्त कराने वाले अधिनियम का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी के कार्यकाल में इसे विधान सभा का महत्वपूर्ण योगदान बताया।

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध, संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं विद्यमान है। उन्होंने कहा कि राज्य में खनिज, औद्योगिक और कृषि क्षेत्र में विकास की व्यापक संभावना है। उन्होंने पर्यावरण-संरक्षण और विकास के बीच संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यहां के पारंपरिक लोक शिल्प की देश-विदेश में सराहना होती है। यह सुंदर राज्य हरे-भरे जंगलों, झरनों तथा अन्य प्राकृतिक वरदानों से समृद्ध है। छत्तीसगढ़ को महानदी, हसदेव, इंद्रावती और शिवनाथ जैसी नदियों का आशीर्वाद प्राप्त है। छत्तीसगढ़ को आधुनिक विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी सुनिश्चित करना है। राज्य के नीति-निर्माताओं पर विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने का दायित्व है। इसके साथ ही समाज के सभी वर्गों को आधुनिक विकास-यात्रा से जोड़ना भी सभी जनप्रतिनिधियों का उत्तरदायित्व है।

श्रीमती मुर्मु ने गुरु घासीदास जी के संदेश 'मनखे-मनखे एक समान' को उद्धृत करते हुए सामाजिक समानता और समरसता के आदर्श छत्तीसगढ़ के निर्माण की बात कही। राष्ट्रपति मुर्मु ने छत्तीसगढ़ विधान सभा को आदर्श लोकतांत्रिक संस्थान बताते हुए राज्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सभी जनप्रतिनिधियों से श्रेष्ठ छत्तीसगढ़ के निर्माण हेतु समर्पण की भावना से कार्य करने का आह्वान किया। ।•••

लक्ष्य अंत्योदय, प्रण अंत्योदय पथ अंत्योदय : साय

भाजपा का 46वां स्थापना दिवस प्रदेश के 33 संगठन जिला, 479 मंडल सहित सभी बूथ केंद्रों में मनाया गया। इसके साथ ही भारतरत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती तक भाजपा प्रदेश भर में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में भाजपा ने 6 अप्रैल को अपना 46वाँ स्थापना दिवस उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया। इस अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय व वहीं एकात्म परिसर भाजपा जिला कार्यालय सहित प्रदेश के सभी जिला कार्यालयों में स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा का झंडा फहराया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। सीएम साय ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि लक्ष्य अंत्योदय, प्रण अंत्योदय और पथ अंत्योदय के संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचाने वाले, विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा के स्थापना दिवस पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के सूरज से पूरा देश आलोकित हो रहा है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत माता का वैभव सर्वोच्च शिखर पर आरूढ़ हो रहा है। राष्ट्रनिर्माण में तत्पर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को पुनः शुभकामनाएं।

प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री साय ने फहराया ध्वज

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्थापना दिवस पर गगनभेदी नारों व जयघोष के बीच पार्टी का ध्वज फहराया। इसके बाद श्री साय सहित भाजपा नेताओं ने कार्यालय परिसर में स्थित स्मृति मंदिर में भारतमाता के चित्र और डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, अटलबिहारी वाजपेयी, कुशाभाऊ ठाकरे और राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

भाजपा एक दल ही नहीं, वैचारिक अनुष्ठान है : किरण देव

स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने भाजपा कार्यालय (जगदलपुर) में भाजपा का ध्वज फहराया। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री देव ने अपने जगदलपुर स्थित निवास स्थान पर भी पार्टी ध्वज लगाया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री देव ने कहा कि भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो सेवा, संगठन और राष्ट्रहित के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। पार्टी कार्यकर्ता पार्टी की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ समाज सेवा में लगे हैं। भाजपा का इतिहास त्याग, तपस्या और संघर्ष से भरा हुआ है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और करोड़ों कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित हो रहा है और इसमें भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

हमारी सिद्धि से ही प्रसिद्धि मिली है : साय

एकात्म परिसर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने पार्टी का ध्वज फहराया। अपने संबोधन में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि भाजपा एक संगठन के साथ-साथ एक वैचारिक आंदोलन है। भाजपा के लक्ष्य, कार्यपद्धति और विचार को हम अपनी अंतरात्मा में संजोकर आगे बढ़ें ताकि भाजपा के रूप में स्थापित यह वैचारिक आंदोलन को उसके लक्ष्य तक पहुँचाने का संकल्प हम सब लेकर आगे बढ़ें। भारतीय जनसंघ से लेकर भाजपा तक की राजनीतिक यात्रा के संघर्षों, बलिदानों की याद दिलाते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी पाँच-पाँच पीढ़ियाँ भाजपा के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए खप गईं। केंद्र और छत्तीसगढ़ समेत अनेक राज्यों में भाजपा व उसके गठबंधन की सरकार काम कर रही है। भाजपा के प्रति व्यक्त इस जन-विश्वास पर खरा उतरना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती भी है और इन चुनौतियों को पारकर आगे बढ़ने का अवसर भी है। हमने दुनिया को सर्वश्रेष्ठ सिद्धांत दिया, उस सिद्धांत का अनुपालन करने में भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता प्राण-प्रण से जुटेंगे।

देवतुल्य कार्यकर्ता ही भाजपा के आधार स्तंभः साव

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने भाजपा के 46वें स्थापना दिवस पर लोरमी भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी का ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को भाजपा के स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भाजपा 'राष्ट्र प्रथम' के भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन कल्याण के भाव के साथ कार्य कर रही है। भाजपा का गठन जिन उद्देश्यों और संकल्पों के साथ हुआ था, उसे पार्टी ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया है।

भाजपा ने राष्ट्र के गौरव के प्रतिमान गढ़े हैं : शर्मा

रायपुर जिला कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ से लेकर भाजपा की अब तक की यात्रा में हम सबने मिलकर देश की सेवा की है, देश के गौरव के प्रतिमान गढ़े हैं जिससे पूरी दुनिया में भारत के सामर्थ्य का डंका बजा है। इसी भाव के साथ आने वाले वर्षों में भी हम सब भाजपा के स्थापना दिवस पर अपने संकल्पों को दुहराते हुए आगे बढ़ेंगे। हमने रामजन्मभूमि पर श्रीरामलला के भव्य मंदिर निर्माण सहित कई संकल्प को पूर्ण किया।

अंधेरा छंटा, सूरज निकला कमल खिला: सीएम साय

भाजपा जिला कार्यालय एकात्म परिसर में स्थापना दिवस के मौके पर कार्यकर्ता सम्मेलन व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, मंत्री केदार कश्यप, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, विधायक गण राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू व महापौर मीनल चौबे, रायपुर शहर जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भाजपा के पहले अध्यक्ष, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की वह भविष्यवाणी सत्य हो गई है कि अंधेरा छँटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा स्थापित हो चुकी है। सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के सतत परिश्रम और पुरुषार्थ से भाजपा ने अब तक की यह यात्रा तय की है।

भाजपा ही वैचारिक विश्वविद्यालय है: साय

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो लगातार संगठन का कार्य करता है, उनके पास कार्य का अनुभव होता है। आपके कारण ही भाजपा इसी करण ऊँचाई तक पहुँची है। भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता हमारे लिए संगठन खड़ा करने वाला है। श्री साय ने कहा कि जनसंघ के समय हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारे इतने सांसद आएंगे, हमारे इतने विधायक बनेंगे, राज्यों में हमारी सरकारें आएंगीं, नगर निगम में हमारी सरकार बनेगी।

सर्व विकास के लिए हम जुटे हैं : कश्यप

वनमंत्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस समारोह हम सबके लिए हर्ष का विषय है। ऐसे कालखंड में हमें कार्य करने का अवसर मिला है, जब अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर बना। यह सौभाग्य प्राप्त हो रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश-विदेश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं जिनके नेतृत्व में हमें कार्य करने का अवसर मिला। भाजपा की वजह से जनजाति क्षेत्र में लोगों को अधिकार वन अधिकार पट्टा प्राप्त हुआ।

भाजपा का इतिहास गौरवमयी: अग्रवाल

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सम्मेलन को बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति 1951 से शुरू होती है जब डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ स्थापना की। 1980 में समुद्र के किनारे भारतरत्न श्रद्धेय अटलबिहारी वाजपेयी ने यह भविष्यवाणी की थी कि अंधेरा छँटेगा, सूरज उगेगा, कमल खिलेगा। 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेगा' का नारा देने वाले हमारे संस्थापक डॉ. मुखर्जी आज स्वर्ग से यह देखकर खुश हो रहे होंगे कि उनका संकल्प साकार हुआ है। ।•••

सबकी भागीदार से समाज में आएगी समृद्धि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने चर्चित मासिक प्रसारण 'मन की बात' की 120वीं कड़ी में देशवासियों से संवाद किया। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रेरणादायक कहानियों, जल संरक्षण, खेलों में बढ़ती भागीदारी, योग और सतत विकास जैसे विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत में पीएम श्री मोदी ने कहा कि आज चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि है, जिससे चैत्र नवरात्र की शुरुआत हो रही है। इसी के साथ विक्रम संवत 2082 का शुभारंभ भी हो रहा है। उन्होंने सभी देशवासियों को नवरात्रि और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बच्चों और युवाओं को गर्मियों की छुट्टियों में हुनर निखारने का सुझाव देते हुए कहा कि वे गर्मी की छुट्टियों को नए कौशल सीखने, सेवा कार्यों और स्वयंसेवी गतिविधियों में शामिल होकर बिताएँ। अगर कोई संगठन, स्कूल या सामाजिक संस्था ग्रीष्मकालीन गतिविधियों का आयोजन कर रही है, तो उसे 'माय हॉलिडे' के तहत साझा किया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि बारिश की बूंदों को संरक्षित करके हम बहुत सारा पानी बचा सकते हैं। पिछले 7-8 वर्षों में देशभर में जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं, जिससे 11 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी का संरक्षण किया गया है। उन्होंने कर्नाटक के गडग जिले की एक मिसाल दी, जहां ग्रामीणों ने सूख चुकी झीलों को पुनर्जीवित किया है। पीएम श्री मोदी ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स का उल्लेख करते हुए बताया कि इस वर्ष इसमें पिछले साल की तुलना में अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस आयोजन में 18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने, जिनमें से 12 महिला खिलाड़ियों ने बनाए। दिल्ली में आयोजित 'फिट इंडिया कार्निवाल' में 25,000 लोगों ने भाग लिया, जिससे फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने मासिक प्रसारण में मशहूर रैपर हनुमानकाइंड की तारीफ की और कहा कि उनके गाने में भारत की पारंपरिक मार्शल आर्ट्स जैसे कलारिपयट्टू, गतका और थांग ता को जिस तरह शामिल किया गया है, वह सराहनीय है। मॉरिशस और गुयाना में भारतीय संस्कृति के प्रभाव की चर्चा करते हुए पीएम श्री मोदी ने अपनी हाल ही की मॉरिशस यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि वहां गीत गवई की प्रस्तुति दी गई, जो भारतीय परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। 200 साल पहले जो भारतीय मजदूर मॉरिशस गए थे, वे वहां पूरी तरह रच-बस गए और अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखी। इसी तरह गुयाना में चौताल की प्रस्तुति ने उन्हें प्रभावित किया। भारत में टेक्सटाइल वेस्ट की चुनौती और समाधान की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया में तीसरा सबसे ज्यादा टेक्सटाइल वेस्ट उत्पन्न करने वाला देश है। लेकिन अब स्टार्टअप्स और पर्यावरण प्रेमियों के प्रयासों से इस समस्या का समाधान खोजा जा रहा है। श्री मोदी ने हरियाणा के पानीपत की तारीफ की, जहां पुराने जूते-चप्पलों और कपड़ों को रिसाइकल करके नए उत्पाद बनाए जा रहे हैं। इससे सतत फैशन को बढ़ावा मिल रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने योग दिवस का जिक्र करते हुए कहा कि योग और आयुर्वेद को अपने जीवन में शामिल करना जरूरी है। श्री मोदी ने बताया कि चिली जैसे देशों में भी योग लोकप्रिय हो रहा है और 'सोमोस इंडिया' नामक संगठन योग और आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार में जुटा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने महुआ के फूलों से बने बिस्किट का उदाहरण दिया और कहा कि राजाखोह की चार बहनों द्वारा बनाए गए ये बिस्किट काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इसी तरह तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में भी महुआ के फूलों से विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए जा रहे हैं, जिन्हें लोग पसंद कर रहे हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने गुजरात के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के आसपास उगने वाले कृष्ण कमल फूल का जिक्र किया और कहा कि यह अपनी सुंदरता से लोगों का मन मोह लेता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक प्रसारण 'मन की बात' की 120वीं कड़ी मुख्यमंत्री निवास में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक पुरंदर मिश्रा, पूर्व विधायक संतोष बाफना एवं शक्ति स्वरूपा बेटियों के साथ देश के का श्रवण किया।

भगवान श्री राम के ननिहाल को और समृद्ध बनाएंगे : प्रधानमंत्री मोदी

बुनियादी ढांचे के विकास और सतत आजीविका को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिलासपुर में 33,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, कार्यारंभ और लोकार्पण किया। नए वर्ष की शुभ शुरुआत और नवरात्र के पहले दिन उन्होंने माता महामाया की भूमि और माता कौशल्या के मायके के रूप में छत्तीसगढ़ के महत्व पर बल दिया। उन्होंने राज्य के लिए स्त्री देवत्व को समर्पित इन नौ दिनों के विशेष महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नवरात्र के पहले दिन छत्तीसगढ़ में होने को अपना सौभाग्य कहा और भक्त शिरोमणि माता कर्मा के सम्मान में हाल ही में जारी किए गए डाक टिकट पर सभी को बधाई दी। श्री मोदी ने यह भी

कहा कि छत्तीसगढ़ में भगवान राम के प्रति अद्वितीय भक्ति विशेष रूप से रामनामी समाज का असाधारण समर्पण को उजागर करता है, जिसने अपना पूरा अस्तित्व भगवान राम के नाम पर समर्पित कर दिया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोगों को भगवान राम का मातृ परिवार बताते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राज्य में विकास को गति देने के अवसर पर प्रकाश डाला। उन्होंने 33,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का उल्लेख किया, जिसमें गरीबों के लिए आवास, स्कूल, सड़क, रेलवे, बिजली और गैस पाइपलाइन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य यहां के नागरिकों के लिए सुविधा बढ़ाना और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने इन विकास पहलों के माध्यम से हासिल की गई प्रगति के लिए सभी को बधाई दी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आवास प्रदान करने के सांस्कृतिक महत्व पर बल देते हुए इसे महान पुण्य बताया। उन्होंने कहा कि घर का मालिक होने का किसी का सपना पूरा होने की खुशी अद्वितीय है। छत्तीसगढ़ में तीन लाख गरीब परिवार अपने नए घरों में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने इन परिवारों को नई शुरुआत के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इन घरों के निर्माण का श्रेय अपने नेतृत्व में दिखाए गए भरोसे को दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी कहा कि छत्तीसगढ़ में लाखों परिवारों के लिए पक्के घर का सपना पहले नौकरशाही की फाइलों में खो गया था। उन्होंने इस सपने को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को याद किया। उन्होंने कहा कि सीएम विष्णु देव के नेतृत्व में, पहला कैबिनेट निर्णय 18 लाख मकानों के निर्माण का था। उन्होंने खुशी ज़ाहिर की कि इनमें से अधिकांश घर आदिवासी इलाकों में हैं, जो बस्तर और सरगुजा के परिवारों को लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने उन परिवारों के लिए इन घरों के परिवर्तनकारी प्रभाव को स्वीकार किया, जिन्होंने अस्थायी आश्रयों में पीढ़ियों तक कठिनाई झेली है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसे ऐसे लोगों के लिए महत्वपूर्ण उपहार बताया।

इस पावन अवसर पर मोहभट्ट स्वयंभू शिवलिंग महादेव के आशीर्वाद से श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ में विकास को गति देने के अवसर पर प्रकाश डाला। उन्होंने 33,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का उल्लेख किया, जिसमें गरीबों के लिए आवास, स्कूल, सड़क, रेलवे, बिजली और गैस पाइपलाइन शामिल हैं।

पीएम श्री मोदी ने कहा, " सरकार ने इन घरों के निर्माण में सहायता प्रदान की, लेकिन लाभार्थियों ने खुद ही तय किया कि उनके सपनों का घर कैसे बनाया जाएगा", ये घर सिर्फ चार दीवारें नहीं हैं, बल्कि जीवन में बदलाव हैं। उन्होंने इन घरों को शौचालय, बिजली, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं से लैस करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने कार्यक्रम में महिलाओं की महत्वपूर्ण उपस्थिति पर ध्यान दिया और कहा कि इनमें से अधिकांश घर महिलाओं के स्वामित्व में हैं। उन्होंने उन हजारों महिलाओं द्वारा हासिल की गई उपलब्धि का जिक्र किया, जिन्होंने पहली बार अपने नाम पर संपत्ति पंजीकृत कराई है। उन्होंने इन महिलाओं के चेहरों पर झलकती खुशी और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया और इसे अपनी सबसे बड़ी संपत्ति बताया।

पीएम श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार छत्तीसगढ़ के लोगों से किए गए हर वादे को पूरा कर रही है। छत्तीसगढ़ की महिलाओं से किए गए वादों को पूरा किया गया है, जिसमें धान किसानों को दो साल का लंबित बोनस वितरित करना और बढ़ी हुई एमएसपी दरों पर धान की खरीद शामिल है। इन उपायों से लाखों किसान परिवारों को हजारों करोड़ रुपये मिले हैं।

पीएम श्री मोदी ने भर्ती परीक्षा घोटालों के लिए पिछली सरकार की आलोचना की तथा उनकी सरकार की पारदर्शी जांच और परीक्षाओं के निष्पक्ष संचालन पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इन ईमानदार प्रयासों ने जनता के बढ़ते समर्थन के साथ विश्वास को मजबूत किया है, जो छत्तीसगढ़ में विधानसभा, लोकसभा और अब नगर निगम चुनावों में उनकी जीत से स्पष्ट है। उन्होंने अपनी सरकार की पहलों के लिए लोगों के जबरदस्त समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

पीएम श्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ है। इसे राज्य के रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाना संयोग है क्योंकि इस वर्ष अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी भी है। छत्तीसगढ़ सरकार 2025 को "अटल निर्माण वर्ष" के रूप में मना रही है। उन्होंने प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा, "हमने इसे बनाया है, और हम इसे विकसित करेंगे।"

पीएम श्री मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ को अलग राज्य के रूप में बनाना पड़ा क्योंकि विकास का लाभ इस क्षेत्र तक नहीं पहुंच रहा था। श्री मोदी ने विकास करने में विफलता और शुरू की गई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के लिए पिछली सरकार की आलोचना की। उनकी सरकार ने लोगों की भलाई को प्राथमिकता दी है, उनके जीवन, सुविधाओं और उनके बच्चों के लिए अवसरों को बेहतर

बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

छत्तीसगढ़ के पूर्ण विद्युतीकृत रेल नेटवर्क वाले राज्यों में से एक बनने की उपलब्धि की जानकारी देते हुए, प्रधानमंत्री ने इसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में वर्तमान में लगभग 40,000 करोड़ रुपये मूल्य की रेल परियोजनाएं चल रही हैं, जिसमें इस वर्ष के बजट में विभिन्न क्षेत्रों और पड़ोसी राज्यों में रेल संपर्क में सुधार के लिए 7,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विकास के लिए बजटीय समर्थन और ईमानदार इरादों की आवश्यकता होती है। उन्होंने भ्रष्टाचार और अक्षमता के लिए पिछली सरकार की आलोचना की, जिसने आदिवासी क्षेत्रों में प्रगति में बाधा डाली।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सौर ऊर्जा पर सरकार के फोकस और 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' की शुरुआत का जिक्र करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य बिजली के बिलों को खत्म करना और घरों को बिजली का उत्पादन करके आय अर्जित करने में सक्षम बनाना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि सरकार सौर पैनल लगाने के लिए प्रति घर 78,000 रुपये की सहायता प्रदान कर रही है। छत्तीसगढ़ में दो लाख से अधिक परिवार पहले ही इस योजना के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। उन्होंने अन्य लोगों को भी महत्वपूर्ण लाभ के लिए इसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

जनकल्याण और अधोसंरचना के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम : साय

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा लोकार्पित एवं शिलान्यास की गई परियोजनाएं रेल, सड़क, ऊर्जा, ईंधन, आवास और शिक्षा से जुड़ी हैं, जो न केवल लोगों के जीवन में खुशहाली और सुविधा का नया सूर्योदय लाएंगी, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ की नींव भी मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी पर लोगों ने भरोसा किया जिससे विधानसभा और लोकसभा चुनावों में डबल इंजन की सरकार बनी और अब स्थानीय निकाय, पंचायतों चुनावों जीत के बाद तीसरा इंजन भी जुड़ गया है।

केंद्रीय मंत्री खट्टर बोले- मील का पत्थर साबित होगा..

लोकार्पण से पहले केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने स्वागत भाषण में कहा, प्रधानमंत्री जो शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे, वो छत्तीसगढ़ के विकास की गाथा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा, उद्योग बढ़ेगा, तो रोजगार मिलेगा। 33 हजार 700 करोड़ में अधिकांश योजना ऊर्जा विभाग से जुड़ी है। छत्तीसगढ़ में कोयला का भंडार है। यह अधिक बिजली के उत्पादन की क्षमता है। छत्तीसगढ़ में 30 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता है। इसका जल्द ही दोहन करने वाले हैं। यह प्रदेश खुशहाली की दिशा में और आगे बढ़ेगा। ।•••

बस्तर अब भय नहीं बल्कि भविष्य का पर्याय : शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि महाराजा प्रवीर चंद्र भंजदेव ने जनजातियों के जल, जंगल, जमीन और संस्कृति के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा कि यहां एक प्रजावत्सल राजा के रूप में उनकी लोकप्रियता तत्कालीन सरकार को सहन नहीं हुई और साजिश के तहत उनकी हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि आज जब पूरा बस्तर लाल आतंक से मुक्त होने की ओर है और विकास के रास्ते पर चल चुका है, तब प्रवीर चंद्र जी की आत्मा जहां भी होगी बस्तरवासियों को अपना आशीर्वाद दे रही होगी।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अगले साल से 'बस्तर पंडुम' के दौरान देश के हर आदिवासी जिले से कलाकारों को इसमें शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ख्याति दिलाने के लिए राजदूतों को बस्तर का भ्रमण करवाकर यहां की परंपरा, संस्कृति और आदिवासी बच्चों की कला को पूरे विश्व तक पहुंचाने का काम मोदी सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि 1885 ग्राम पंचायतों, 12 नगर पंचायतों, 8 नगर परिषदों, एक नगरपालिका और 32 जनपदों के 47 हजार कलाकारों ने इस उत्सव में भाग लिया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय कला और संस्कृति, पारंपरिक कलाएं, शिल्पकला, तीज-त्यौहार, खानपान, बोली, भाषा, रीति-रिवाज, वेशभूषा, आभूषण, पारंपरिक गीत- संगीत और व्यंजन को मूल रूप में संवर्धित और संरक्षित करने का काम पंडुम करेगा। श्री अमित शाह ने कहा कि हम चाहते हैं हमारे बस्तर का युवा सबसे आधुनिक शिक्षा प्राप्त करे, विश्व के युवाओं के साथ हर मंच पर दो-दो हाथ करे और दुनियाभर की समृद्धि प्राप्त करे लेकिन अपनी संस्कृति, भाषा, परंपराओं को कभी न भूले। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति, बोलियां, वाद्य यंत्र और भोजन सिर्फ छत्तीसगढ़ नहीं बल्कि पूरे भारत की संस्कृति का

गहना है और हमें इसे संजोकर रखना है। उन्होंने कहा कि सात श्रेणियों में मनाए जा रहे बस्तर पंडुम उत्सव को अगले वर्ष 12 श्रेणियों में मनाया जाएगा और देशभर के आदिवासी समाज के सदस्य यहां आएंगे। गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि भारत की ताकत अनेकता में एकता, अनेक प्रकार की संस्कृतियों, कलाओं, परंपराओं, भाषाओं, बोलियों और व्यंजनों का समागम है। हम दुनिया के साथ हर स्पर्धा में खड़े रहेंगे लेकिन हमारी संस्कृति और अन्य चीजों को भी संरक्षित करेंगे और बस्तर पंडुम इसकी शुरूआत है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वो जमाना गया जब यहां पर गोलियां चलती थी और बम धमाके होते थे। उन्होंने सभी नक्सली भाइयों से अपील करते हुए कहा कि वे हथियार डालकर मेनस्ट्रीम में आ जाएं क्योंकि बस्तर विकास चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी बस्तर को सब कुछ देना चाहते हैं, लेकिन ये तभी संभव है जब बस्तर में शांति हो। उन्होंने कहा कि यहां के बच्चे स्कूल जाएं, माताओं के स्वास्थ्य की चिंता हो, आदिवासी और युवा कुपोषण से पीड़ित न हों, बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था हो, हर गांव में दवाखाना हो, तहसील में अस्पताल हो और हर घर में 7 किलो चावल मुफ्त पहुंचे, तभी विकास संभव है। उन्होंने कहा कि ये सब तभी हो सकता है जब बस्तर के लोग तय करें कि वे हर गांव को नक्सलवाद मुक्त बनाएंगे। छत्तीसगढ़ सरकार ने घोषणा की है जो गांव हर नक्सली से सरेंडर कराएगा उस गांव को नक्सलवाद मुक्त घोषित कर एक करोड़ रूपए की विकास राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई किसी को मारना नहीं चाहता, इसीलिए नक्सलियों को हिंसा छोड़कर मेनस्ट्रीम में आना चाहिए और उनका संरक्षण केंद्र सरकार

और राज्य सरकार करेगी। नक्सली हथियार लेकर पूरे बस्तर का विकास नहीं रोक सकते।

गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है और हर जिले के एक विशिष्ट उत्पाद को जीआई टैग से जोड़कर देशभर के बाजारों में उसकी मार्केटिंग की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा है कि इतिहास केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे आदिवासी जननायकों को पूरे देश में सम्मान और श्रद्धा प्राप्त होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी जी ने बस्तर के नायक वीर गुंडाधूर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देने का काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस और 150वीं जयंती वर्ष को जनजातीय गौरव वर्ष मनाने का काम किया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह ने कहा कि पिछली सरकारों ने 75 साल तक गरीबी हटाओ का नारा तो दिया पर गरीबों के विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। श्री मोदी ने देश के करोड़ों गरीबों के लिए 10 साल में 4 करोड़ से अधिक घर बनाए, 11 करोड़ गैस कनेक्शन दिए, 12 करोड़ शौचालय बनाए, 15 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया और 70 करोड़ लोगों को 5 लाख रूपए तक का मुफ्त इलाज दिया है।

उन्होंने कहा जो लोग ये समझ गये हैं कि विकास के लिए हाथ में बंदूक नहीं, कंप्यूटर चाहिए, IED और हथगोला नहीं बल्कि कलम चाहिए, उन सबने सरेंडर कर दिया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को समाप्त करने कि दिशा में 2025 में अब तक 521 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और 2024 में कुल 881 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। श्री शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि जो नक्सली हथियार छोड़ेंगे वे मुख्यधारा में शामिल होकर आगे बढ़ सकेंगे, लेकिन जो हथियार उठाकर हिंसा के रास्ते पर चलेंगे उनके साथ सुरक्षाबल सख्ती से निपटेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार, मार्च, 2026 तक पूरे देश को नक्सलवाद से मुक्त कराने के प्रति कटिबद्ध है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर अब भय नहीं बल्कि भविष्य का पर्याय बन चुका है। उन्होंने कहा कि पहले नक्सलियों के आतंक के कारण राजनेताओं को रैली और सभा करने से रोक लिया जाता था, लेकिन वक्त बदल चुका है और आज 50,000 आदिवासी भाई बहनों के सामने रामनवमी, अष्टमी और बस्तर पंडुम महोत्सव मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब मशीनों की आवाज आती है, जहां गांव वीरान थे, अब वहां स्कूलों की घंटियां बजती हैं, जहां पहले सड़क एक स्वप्न होती थी, वहां राजमार्ग बन रहे हैं और जहां बच्चा स्कूल जाने से डरता था आज वहां का बच्चा कंप्यूटर के माध्यम से पूरे विश्व के साथ संपर्क स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर का विकास इसीलिए हो रहा है क्योंकि अब नक्सलवाद के साथ कोई नहीं जुड़ता।

गृहमंत्री श्री शाह ने कहा कि विकास, विश्वास और विजय की लौ के साथ अब बस्तर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हर गांव की सभा बुलाकर नक्सलियों को सरेंडर करने के लिए प्रोत्साहित करें और विकास के रास्ते को खोलने में मदद करें। विकास तब होगा जब सुकमा से कोई सब-इन्सपेक्टर बने, बस्तर से बैरिस्टर बने, दंतेवाड़ा से डॉक्टर बने और कांकेर से कलेक्टर बने और ऐसे बस्तर का विकास और निर्माण हमें करना है। उन्होंने कहा कि सभी को विकास के सपनों को सच करने के लिए निष्ठापूर्वक और निर्भीक होकर प्रयास करना चाहिए क्योंकि मोदी जी के शासन में किसी को डरने की ज़रूरत नहीं है।

नक्सलवाद को जड़ से खत्म करनेः साय

समापन कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा, हम सबने 'माता की पूजा कर संकल्प लिया है कि नक्सलवाद को खत्म करना है। 15 महीने से प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों से लड़ाई लड़ रहे हैं। नक्सली जब समाप्त हो जाएंगे तब देश-दुनिया के लोग यहां आएंगे। बस्तर की खूबसूरती दुनिया में प्रसिद्ध है। हम बस्तर को उसके पुराने दिनों में लेकर जाएंगे। यहां की संस्कृति व पर्यटन से देश और दुनिया के लोगों को पुनः जोड़ेंगे।

नक्सलवाद की विदाई जल्द : शर्मा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के नासूर को खत्म करने की दिशा में कारगर लड़ाई लड़ी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संवेदनशील नीतियों से हम नक्सलवाद की खात्मे के लिए हर दिन अथक प्रयास कर रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब नक्सलमुक्त बस्तर की चर्चा सर्वत्र होगी। जो लक्ष्य हमने नक्सलवाद के खात्मे के लिए तय किया है, उस दिशा में लगातार बढ़ रहे हैं। ।•••

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' राष्ट्र की आवश्यकता: शिव प्रकाश

भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश 'एक राष्ट्र-एक चुनाव विषय पर आयोजित कार्यशाला में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इसके साथ ही संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' का विषय राष्ट्र की आवश्यकता है। राष्ट्र में एक समय पर चुनाव होंगे तो इसका लाभ हमारे मजबूत लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मिलेगा। इससे चुनावों के दौरान होने वाले अतिरिक्त खर्च से भी राष्ट्र बच पाएगा। इसलिए अभियान को राष्ट्रीय जन अभियान बनाने की दिशा में हम सबको जुटना होगा। हमारा राष्ट्र विश्व के सबसे मजबूत व विशाल लोकतांत्रिक राष्ट्रों में एक है जो पुरजोर इस बात का आग्रह सबसे कर रहे हैं कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' प्रक्रिया अनिवार्य हो। जिससे लोकतांत्रिक ढांचे को प्रभावी, पारदर्शी व आर्थिक रूप से सुदृण हो सके। उन्होंने कहा कि स्थानीय चुनाव से लेकर विधानसभा, लोकसभा तक के चुनाव अलग-अलग होने से प्रत्येक सरकार का लगभग एक वर्ष का समय तो चुनाव में ही निकल जाता है। इससे किसी भी व्यवस्था को काम करने में बहुत कम समय मिलता है। 'वन नेशन-वन इलेक्शन' कोई नई परिकल्पना नहीं है। आज़ादी के बाद 15 वर्षों तक यह होता रहा। अभी कुछ लोग क्यों इसका विरोध कर रहे हैं? यह विचारणीय प्रश्न है।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' से संसाधन बचेगा: साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जब भी चुनाव के माध्यम से हम अपने प्रतिनिधियों

के चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं तो अलग-अलग चुनाव में आर्थिक भार के साथ अतिरिक्त संसाधन जुटाना होता है, लेकिन 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के जरिए एक साथ चुनाव होने के पीछे इसके कई लाभ हैं और एक साथ चुनाव होने का मतलब है-एक मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत आधार देने जैसा है। इसलिए हम सबकों 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' प्रक्रिया का आत्मसात करना होगा। जो समय की मांग भी है।

संगठन का भी बचेगा समय : देव

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की प्रकिया को अपनाने से हमें पार्टी के संगठन के स्तर पर भी काफी लाभ होगा। कई बार चुनाव कई स्तरों पर होने के कारण संगठन में भी व्यापक तैयारी करनी होती है, जिसमें कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को अलग-अलग जुटना होता है, लेकिन एक साथ चुनाव होने से समय के साथ संसाधन भी बचेगा और शेष समय पर अन्य योजना पर भी संगठनात्मक कार्य किया जा सकता है। ●●●

एक राष्ट्र- एक चुनाव के लाभ

प्रशासनिक और आर्थिक दक्षता: बार-बार चुनाव कराने में भारी प्रशासनिक खर्च और संसाधनों की बर्बादी होती है। एक साथ चुनाव से चुनावी खर्च में भारी कमी आएगी और सुरक्षा बलों, शिक्षकों, और प्रशासनिक अधिकारियों को बार-बार चुनावी ड्यूटी से मुक्त किया जा सकेगा।

विकास कार्यों में निरंतरता: बार-बार लगने वाले आदर्श आचार संहिता के कारण विकास परियोजनाएँ रुक जाती है। एक साथ चुनाव होने से यह बाधा दूर होगी और सरकारें अपने विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

राजनीतिक स्थिरता: एक साथ चुनाव राजनीतिक अस्थिरता को कम करने में मदद करेगा, जिससे नीति निर्माण में स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा।

मतदाताओं की जागरूकता और भागीदारी: एक साथ चुनाव से मतदाताओं में अधिक जागरूकता और उत्साह पैदा होगा, जिससे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा और लोकतंत्र को सशक्त किया जा सकेगा।

चुनावी खर्च में कटौती: चुनाव आयोग व राजनीतिक दलों को बार-बार चुनाव प्रचार के लिए भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। एक साथ चुनाव होने से चुनावी खर्च में कटौती होगी, जिससे धन का अधिक सदुपयोग हो सकेगा।

'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करते हमारे डिजिटल प्रयास

अश्विनी वैष्णव

भारत उच्च गुणवत्ता वाले डेटा पर आधारित एआई मॉडल भी विकसित कर रहा है। यह पहल सटीकता से जानकारी उपलब्ध करवाने में मदद करेगी, जिससे एआई सिस्टम अधिक विश्वसनीय और समावेशी बनेंगे। ये डेटासेट कृषि, मौसम पूर्वानुमान और यातायात प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई-संचालित समाधानों को शक्ति प्रदान करेंगे।

महाराष्ट्र के बारामती में एक छोटा किसान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से कृषि के नियमों को पुनः परिभाषित कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप हम यहां कुछ असाधारण देख रहे हैं, जैसे उर्वरकों के उपयोग में कमी, पानी का कुशलता से उपयोग एवं अधिक पैदावार, ये सब एआई के बिना संभव नहीं था।

यह भारत की एआई-संचालित क्रांति की एक झलक मात्र है, जहां तकनीक और नवाचार अब प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को बदल रहे हैं। कई मायनों में इस किसान की कहानी एक बहुत बड़े परिवर्तन का सूक्ष्म रूप है, हमें जो 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने के और करीब ले जाता है।

डिजिटल भविष्य

भारत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई), एआई, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर विशेष ध्यान देते हुए अपने डिजिटल भविष्य को आकार दे रहा है। दशकों से भारत सॉफ्टवेयर में वैश्विक नेतृत्वकर्ता रहा है, लेकिन अब हम हार्डवेयर विनिर्माण में भी बड़ी प्रगति कर रहे हैं।

पांच सेमीकंडक्टर संयंत्र निर्माणाधीन हैं, जो वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में भारत की भूमिका को प्रमुखता से रखेंगे। आज, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद हमारे शीर्ष तीन निर्यातों में शुमार हैं और जल्द ही हम एक प्रमुख मील के पत्थर तक पहुंचगे – इस साल भारत की पहली मेक-इन-इंडिया चिप लॉन्च की जा सकती है।

एआई की शुरुआत एवं नवाचार

सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इसकी रीढ़ हैं, जबकि डीपीआई भारत की तकनीकी क्रांति को आगे बढ़ाने वाली प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है। भारत अपनी तरह के एक अनोखे एआई ढांचे के माध्यम से एआई को सर्वसुलभ बना रहा है।

इस संबंध में एक प्रमुख पहल भारत की 18,000 से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) वाली साझा कंप्यूटिंग सुविधा है। 100 रुपये प्रति घंटे से कम की रियायती लागत पर उपलब्ध यह पहल सुनिश्चित करेगी कि अत्याधुनिक शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स, शिक्षाविद एवं अन्य हितधारकों के समक्ष कोई असुविधा न हो। यह पहल एआई-आधारित सिस्टम विकसित करने के लिए जीपीयू तक आसान पहुंच को सक्षम करेगी, जिसमें मूलभूत मॉडल एवं अनुप्रयोग शामिल हैं।

भारत उच्च गुणवत्ता वाले डेटा पर आधारित एआई मॉडल भी विकसित कर रहा है। यह पहल सटीकता से जानकारी उपलब्ध करवाने में मदद करेगी, जिससे एआई सिस्टम अधिक विश्वसनीय और समावेशी बनेंगे। ये डेटासेट कृषि, मौसम पूर्वानुमान और यातायात प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई-संचालित समाधानों को शक्ति प्रदान करेंगे।

भारत सरकार स्वदेशी आधारभूत मॉडल के विकास में मदद कर रही है, जिसमें भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) और समस्या-विशिष्ट एआई समाधान शामिल हैं। एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं।

भारत का डीपीआई

डीपीआई के लिए भारत के प्रयासों ने वैश्विक डिजिटल परिदृश्य को महत्वपूर्ण आकार दिया है। कॉर्पोरेट या राज्य-नियंत्रित मॉडल के विपरीत भारत का मॉडल सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर आधारित है और इस पैसे का उपयोग कर आधार, यूपीआई एवं डिजीलॉकर जैसे प्लेटफ़ॉर्म को तैयार किया गया है। अब इन प्रयासों का उपयोग करते हुए निजी क्षेत्र की कंपनिया अगले चरण में डीपीआई उपयोगकर्ता के अनुकूल एप्लिकेशन-विशिष्ट समाधान तैयार कर

सकती हैं और नवाचार को बढ़ावा दे सकती हैं।

इस मॉडल को अब एआई के साथ लागू किया जा रहा है भारत के डीपीआई ढांचे में वैश्विक रुचि जी-20 शिखर सम्मेलन में स्पष्ट थी, जहां विभिन्न देशों ने इस मॉडल को अपनाने की इच्छा व्यक्त की थी। जापान ने भारत की यूपीआई भुगतान प्रणाली को पेटेंट प्रदान किया है, जो इसकी कामयाबी का प्रमाण है।

महाकुंभ, परंपरा और तकनीक का संगम

भारत ने महाकुंभ 2025 के निर्बाध संचालन के लिए अपने डीपीआई और एआई संचालित प्रबंधन का लाभ उठाया, जो अब तक का सबसे बड़ा मानव समागम है। एआई संचालित उपकरणों ने प्रयागराज में रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण करने में अहम भूमिका निभाई और रेलवे यात्रियों की आवाजाही को सुलभ बनाया।

कुंभ सहायक चैटबॉट में एकीकृत बहुभाषा प्रणाली ने आवाज आधारित खोई-पाई सुविधा उपलब्ध करवायी एवं वास्तविक समय में अनुवाद कर इसे सर्वसुलभ बनाया। भारतीय रेलवे और उत्तर प्रदेश पुलिस ने इसके सहयोग से त्वरित समस्या समाधान प्राप्त किये और एक बेहतर संचार सुविधा के माध्यम से व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया।

डीपीआई का लाभ उठाकर महाकुंभ ने तकनीक-सक्षम प्रबंधन के लिए एक वैश्विक बेंचमार्क स्थापित किया है, जिससे यह अधिक समावेशी, कुशल और सुरक्षित बन गया है।

एआई से जुड़े जोखिमों से निपटने के लिए सिर्फ़ कानून पर निर्भर रहने के बजाय, सरकार तकनीकी सुरक्षा उपायों में निवेश कर रही है। सरकार डीपफेक, गोपनीयता संबंधी चिंताओं और साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए उपकरण विकसित करने के लिए शीर्ष विश्वविद्यालयों और आईआईटी में एआई-संचालित परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रही है।

भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण

भारत का कार्यबल डिजिटल क्रांति के केंद्र में है। देश हर सप्ताह एक वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) तैयार कर रहा है, जिससे हम वैश्विक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी विकास के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहे हैं। हालांकि, इस वृद्धि को बनाए रखने के लिए शिक्षा और कौशल विकास में निरंतर निवेश की आवश्यकता होगी। सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार एआई, 5जी और सेमीकंडक्टर डिजाइन को शामिल करने के लिए विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में सुधार करके इस चुनौती का समाधान कर रही है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि स्नातक स्तर पर नौकरी पाने वाला कार्यबल कौशल सक्षम होगा, जिससे शिक्षा और रोजगार के बीच का अंतर कम होगा।

एआई को विनियमित करने के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण

भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण कर रहा है, इसलिए इसके एआई विनियामक ढांचे को मजबूती से तैयार करते हुए नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए। एक 'भारी-भरकम विनियामक ढांचा' — जिसमें नवाचार को दबाए जाने का जोखिम हो सकता है, या 'बाजार संचालित ढांचा', जो अक्सर कुछ लोगों के हाथों में शक्ति केंद्रित करता है, इसके विपरित भारत एक व्यावहारिक, तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण का पालन कर रहा है।

एआई से जुड़े जोखिमों से निपटने के लिए सिर्फ़ कानून पर निर्भर रहने के बजाय, सरकार तकनीकी सुरक्षा उपायों में निवेश कर रही है। सरकार डीपफेक, गोपनीयता संबंधी चिंताओं और साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए उपकरण विकसित करने के लिए शीर्ष विश्वविद्यालयों और आईआईटी में एआई-संचालित परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रही है।

चूंकि एआई एक वैश्विक उद्योगों को नया आकार दे रहा है, इसलिए इसको लेकर भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट है। समावेशी विकास के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना और साथ ही नवाचार को बढ़ावा देने वाले नियामक ढांचे को तैयार करना। लेकिन नीतियों और बुनियादी ढांचे से परे, यह परिवर्तन हमारे नागरिकों के लिए है। |•••

लेखक केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, रेलवे तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री हैं

विकास की पटरी पर दौड़ रही डबल इंजन की सरकार

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां विकास की गति तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के विकास के लिए लगातार नई योजनाएं छत्तीसगढ़ की जनमानस को भेंट कर रहे हैं। इसी दिशा में खरसिया से नया रायपुर तक एक नई रेल लाइन 8741 करोड़ रुपए लागत की रेल प्रोजेक्ट को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वीकृति दी है। देश के आजादी के बाद छत्तीसगढ़ को रेल लाइन विस्तार को लेकर दिया जाने वाला अब तक के सबसे बड़ा व ऐतिहासिक फैसला है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार के जरिए विकास परियोजनाओं को नई पहचान मिल रही है। इसी कड़ी में 4 अप्रैल को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने छत्तीसगढ़ के लिए एक नई रेल लाइन परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजनाओं से छत्तीसगढ़ के रेलवे सेवा को नई पहचान व विस्तार मिलेगी। इस रेल लाइन की विशेषता होगी कि करीब 8741 करोड़ रुपए की लागत से 278 किलोमीटर का रूट होगा और 615 किलोमीटर की पटरी बिछाई जाएगी। इसके साथ ही 21 नए स्टेशन बनेंगे। 48 बड़े ब्रिज का निर्माण होगा। 349 माइनर ब्रिज बनेंगे, 14 फ्लाइओवर का निर्माण किया जाएगा। 184 अंडरपास होंगे व 6 जिलों से इस परियोजना का जुड़ाव होगा। इस परियोजना के प्रारंभ होने से प्रदेश में रोजगार की नई संभावनाएं सृजित होंगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस नवीन रेल मार्ग की स्वीकृति दी है। जो खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल प्रोजेक्ट है। इस बारे में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन दिल्ली से केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू की मौजूदगी में इसकी जानकारी दी है। इस परियोजना से छत्तीसगढ़ में रेल सेवा को नई पहचान मिलेगी और राज्य का एक छोर दूसरे छोर से सुगमता से जुड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल परियोजना पांचवीं व छठवीं रेल लाइन है जो राष्ट्र के रेल सेवा में धमनियों की तरह काम करेगी। इस रेल लाइन के पूर्ण होते ही छत्तीसगढ़ में विकास की गति और तेज हो जाएगी। यह प्रदेशवासियों के लिए एक बड़ी सौगात होगी।

क्या विशेष है

- 8741 करोड़ की लागत का होगा
- 278 किमी का मार्ग होगा
- 615 किमी पटरी बिछाई जाएंगी
- 21 नए स्टेशन बनेंगे
- 48 बड़े ब्रिज होगा
- 349 माइनर ब्रिज बनाए जाएंगे
- 14 फ्लाईओवर का निर्माण होगा
- 184 अंडरपास बनाए जाएंगे
- 6 जिलों से होगा परियोजना का जुड़ाव

फाइल फोटो

देश के विशाल रेल परियोजना में एक

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने बताया कि यह भारत के सबसे बड़े परियोजनाओं में से एक है। जो छत्तीसगढ़ के रायगढ़, जांजगीर चाँपा, बिलासपुर, बलौदा बाजार, दुर्ग और राजनांदगाँव जैसे जिले जुड़ेंगे। इस परियोजना से स्थानीय लोगों को काफी लाभ होगा। इस रेल मार्ग के बनते ही 8 से ज्यादा मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इस रेल नेटवर्क के निर्माण से अनुमानित 22 करोड़ लीटर डीजल बचेगा और रेलवे को लगभग 2500 करोड़ रुपये की बचत होगी। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के वनवास के दौरान माता शबरी के प्रसंग से जुड़े लक्ष्मी नारायण मंदिर का भी इस रेल नेटवर्क से संपर्क स्थापित होगा। जहां पर्यटन की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। बलौदाबाजार और खरसिया जैसे सीमेंट उत्पादन वाले औद्योगिक क्षेत्र में एक बड़ा हब बनेगा।

रोजगार का होगा सृजन

इस रेल लाइन के बनते ही छत्तीसगढ़ में रोजगार की नई संभावनाओं का विस्तार होगा। और स्थानीय उत्पादों को देश के बाजार से जोड़ने में सुविधा होगी जिसके लिए पूरी परियोजना में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत कोसा सिल्क के उत्पादन वाले इलाके भी रेल लाइन के जरिए जुड़ेंगे। इसके चलते 2 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजित होगा।

विकास की नई गाथा

- 32 स्टेशनों का पुनर्निर्माण कर पूरी तरह नया स्वरूप दिया दिया जा रहा है।
- दल्लीराजहरा- रावघाट नई लाइन निर्माण के अंतिम चरण में।
- रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन के डीपीआर बनाने का काम लगभग पूर्ण हो चुका है।
- गेवरा-पेन्ड्रा रोड नई लाइन भी तेजी से बनाई जा रही है।
- राजनांदगाँव-डोंगरगढ़ चौथी लाइन, जगदलपुर-कोरापुट की दोहरीकरण, धरमजयगढ़-कोरबा नई लाइन, अनूपपुर - अंबिकापुर के दोहरीकरण के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराए गए हैं।

फाइल फोटो

हमारे लिए सुखद पल : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस नई रेल परियोजना के स्वीकृत होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे लिए बेहद की सुखद पल है कि छत्तीसगढ़ की विकास में यह नई रेल परियोजना मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिस सपने के साथ श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण का वादा निभाया अब उस राज्य के विकास को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके सपने को पूरा कर रहे है। इस रेल लाइन के बनते ही छत्तीसगढ़ की विकास को और नई पहचान मिलेगी। हम पूरे देश से इस रेल लाइन के माध्यम से और मजबूती से जुड़ पाएंगे। प्रदेश का औद्योगिक विकास भी तेज होगा और नई रेल परियोजना से परिवहन की नई सुविधाएं भी मिलेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य के निर्माण के बाद रेल सेवा के विस्तार को लेकर अब तक के लिया गया एक महत्वपूर्ण फैसला है।

इस मौके पर केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ राज्य के लिए यह रेल लाइन की मंजूरी राज्य के विकास के संभावनाओं को नई पहचान देने वाली है। इस संवेदनशील फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति छत्तीसगढ़ की जनमानस हमेशा आभारी रहेगा। ।•••

विक्रम संवत : हमारे सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक

शिवप्रकाश

भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक जीवन की समस्त विधाओं में भारत की अग्रगणीयता, आर्थिक समृद्धि, प्रकृति में वसंत अर्थात सम्यक परिवर्तन की दिशा का संदेश संपूर्ण मानवता को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा देती आई है। भारतीय समाज में व्यैक्तिक एवं सामूहिक जीवन में उत्थान के लिए नव वर्ष पर नव संकल्प लेने की परंपरा है।

भारतीय कालगणना के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को विक्रम संवत २०८२ प्रारंभ हो रहा है। आंग्ल तिथि के अनुसार ३० मार्च रविवार का यह दिन है। भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक अनेक ऐतिहासिक प्रसंग चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के साथ जुड़ें है। पृथ्वी की उत्पत्ति के कारण पृथ्वी संवत, सृष्टि प्रारंभ दिवस के कारण सृष्टि संवत, श्रीराम जी का राज्याभिषेक, कलयुग संवत, युधिष्टिर संवत, विक्रम संवत (२०८२), शालिवाहन शक संवत (१९४७), युगाब्द(५१२७) , मालव संवत, गुडी पाडवा, आर्य समाज स्थापना, उगादि, गुरु अंगद देव का जन्म दिवस एवं झूलेलाल जी का अवतरण दिवस आदि सभी प्रेरणा दिवस इस शुभ दिन के साथ जुड़े है। शक्ति की उपासना के प्रतीक नवदुर्गा का प्रारंभ एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ० केशवराव बलिराम हेडगेवार का जन्म भी वर्षप्रतिपदा ही है ।

भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक जीवन की समस्त विधाओं में भारत की अग्रगणीयता, आर्थिक समृद्धि, प्रकृति में वसंत अर्थात सम्यक परिवर्तन की दिशा का संदेश संपूर्ण मानवता को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा देती आई है। भारतीय समाज में व्यैक्तिक एवं सामूहिक जीवन में उत्थान के लिए नव वर्ष पर नव संकल्प लेने की परंपरा है। इस विक्रम संवत के आगमन पर हम हर्ष एवं उल्लास के साथ नव वर्ष का स्वागत करें एवं भावी समाज को संरक्षित करने की दिशा में नवसंकल्प लें।

शारीरिक

"शरीरमाध्यम् खलु धर्म साधनम्" (अर्थात धर्म के साधन का मार्ग स्वस्थ शरीर ही है) भारत में असावधानी के कारण हमारा खानपान स्थूल (मोटापा) शरीर का निर्माण कर रहा है। जिसके कारण अनेक रोग हमारे शरीर को अपना घर बना रहे हैं। दुनिया के देशों की तुलना में हमारे देश में गंभीर रोगों का औसत अधिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए "फिट इंडिया" का संदेश दिया था। नव वर्ष पर यदि हम अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में संतुलित आहार, व्यायाम एवं योग को स्थान देंगे तब हमारा स्वास्थ्य अच्छा होगा। हमारा स्वास्थ्य ही राष्ट्र के स्वास्थ्य से जुड़ा है। इसको हम प्रतिदिन का संकल्प बनाएं।

पारिवारिक

भारतीय समाज के चिरंजीवी होने के अनेक कारणों में से महत्वपूर्ण है हमारी पारिवारिक व्यवस्था। संपूर्ण विश्व इस पारिवारिक व्यवस्था का अध्ययन एवं अनुपालन करने का प्रयास कर रहा है। परिवार के सभी सदस्यों में सामूहिकता, सुरक्षा, परस्पर प्रेम और आत्मीयता का अंकुरण होता है । परिवार टूटने के कारण ही दुनिया के देश अपने बजट का बड़ा भाग सामाजिक सुरक्षा पर खर्च कर रहे हैं। भारत में दुनिया की तुलना में यह न्यून है। हम अपने परिवार के वृद्धों को सम्मान एवं आत्मीयता दें। इसका परिणाम होगा कि नवीन पीढ़ी में भी यह संस्कार आएगा। परिवार के सदस्य सामूहिक भोजन, सामूहिक भजन एवं वर्ष में एक-दो बार विशेष प्रसंगो पर वृहद् परिवार मिलन कर पारिवारिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने का संकल्प लें।

भाषा सीखें

विशाल भू-भाग वाले अपने देश में अनेक भाषाओं एवं बोलियों का उपयोग होता है। सभी भाषाओं में एक अन्तर्निहित एकात्मता है। हम अपनी मातृभाषा के साथ-साथ एक और दूसरे प्रदेश की भाषा सीखने का प्रयास करें। जिसके कारण हम उस भाषा के साहित्य में छिपे तत्वज्ञान, महापुरुषों एवं परंपराओं को समझ सकेंगे, एवं राष्ट्र की एकात्मता वृद्धि में सहयोगी बन सकेंगे ।

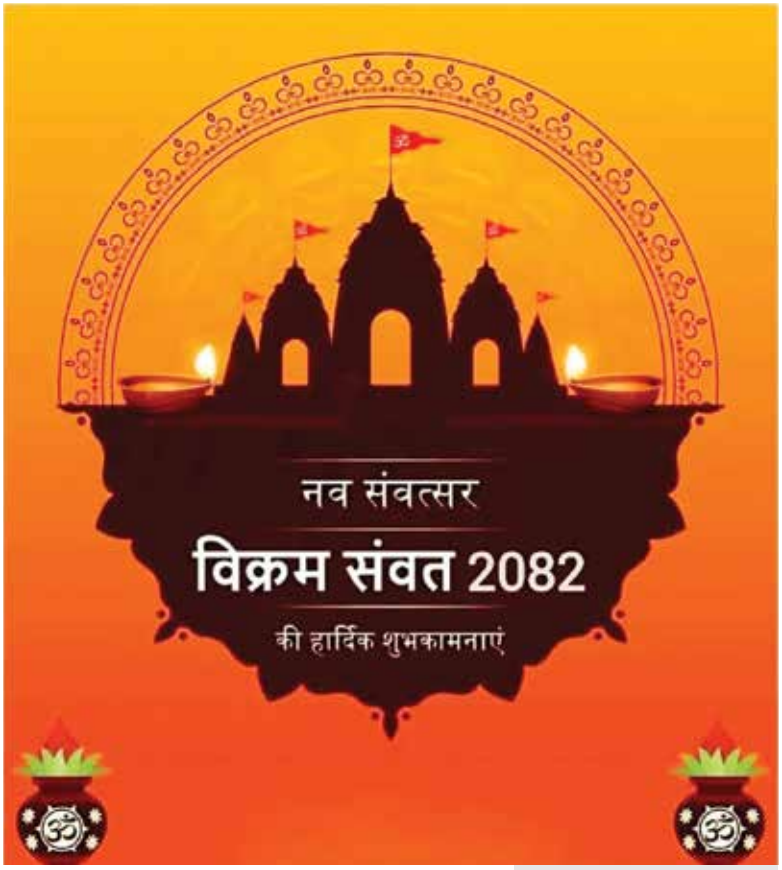

नागरिक अनुशासन

देश के संविधान के प्रति आदर एवं श्रद्धा भाव, देश को सुचारू संचालित करने के लिए बनी व्यवस्थाओं का अनुपालन, देश की सम्पत्तियों का संरक्षण, नियमों का पालन, शुचिता पूर्ण कर्तव्य निष्ठ व्यवहार करने से देश में अनुशासन का भाव निर्माण होगा। यह अनुशासन ही किसी भी देश की महानता की गारंटी है । अभावग्रस्त समाज के लोगों को शिक्षा, भोजन, कार्य कुशलता निर्माण कर सेवा के माध्यम से समृद्ध करें। अपने चारों तरफ होने वाली घटनाओं के प्रति सजग रहते हुए समाज में सुरक्षितता का वातावरण बनाएं। नए-नए प्रयोगों के द्वारा रोज़गार प्रदान करते हुए भारत को आर्थिक समृद्ध कर, विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति में सहायक होना हमारा संकल्प बने ।

संयमित एवं सादगी पूर्ण जीवन शैली

पंडित दीन दयाल उपाध्याय द्वारा स्थापित सिद्धांत "खर्च में संयम एवं उत्पादन में वृद्धि हम सभी के लिए मार्गदर्शक है ।"आय से अधिक खर्च किसी भी समाज में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। समाज में एक दूसरे को देखकर अधिक खर्च की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है। शादी-विवाह एवं शुभ प्रसंगों के समय बर्बाद होता भोजन यह राष्ट्र की संपत्ति का ही नुकसान है। यह दृष्टि लेकर व्यक्तिगत जीवन में सादगी एवं संयम पूर्ण व्यवहार से समाज को सम्यक दिशा दें। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी अन्न की बर्बादी के संबंध में सम्पूर्ण देश को सचेत किया था ।

देश के संविधान के प्रति आदर एवं श्रद्धा भाव, देश को सुचारू संचालित करने के लिए बनी व्यवस्थाओं का अनुपालन, देश की सम्पत्तियों का संरक्षण, नियमों का पालन, शुचिता पूर्ण कर्तव्य निष्ठ व्यवहार करने से देश में अनुशासन का भाव निर्माण होगा। यह अनुशासन ही किसी भी देश की महानता की गारंटी है । अभावग्रस्त समाज के लोगों को शिक्षा, भोजन, कार्य कुशलता निर्माण कर सेवा के माध्यम से समृद्ध करें।

महिला सशक्तीकरण

अपने प्राचीन धर्म ग्रंथो में माँ (स्त्री) का बड़ा श्रेष्ठ स्थान (यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः) था । कालांतर में समाज में अनेक कुप्रथाए आई। आज भी समाज में हृदय को विदीर्ण करने वाली अनेक घटनाएं होती रहती है। महिला हिंसा एवं दुर्व्यवहार को समाप्त करें। समाज में महिलाओं को समान स्थान, समान अवसर, निर्णयों में समान सहभागिता का वातावरण बनाने में हम सभी सहभागी बने।

पर्यावरण संरक्षण

महात्मा गाँधी जी का प्रसिद्ध वाक्य ""The Earth has enough resources for our need but not for our greed." भोगवादी जीवन शैली एवं प्रकृति के संसाधनों पर कब्जे की मनोवृति के कारण हमने पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ की है। जिसका परिणाम है प्रदूषण एवं तापमान में वृद्धि। अनेक विद्वानों एवं पर्यावरण केंद्रित संस्थाओं के आकड़े हमें चिंतित करने वाले है। मनुष्य का जीवन भविष्य में सुरक्षित रहेगा अथवा नहीं यह सभी की चिंता का विषय है। हम इस नव वर्ष पर अपना जीवन पर्यावरण को संरक्षित करनेवाला बनाएं, एवं जल, भोजन, वायु, वनस्पति सभी शुद्ध रहे इसका संकल्प लें।

संस्कृति स्वाभिमान

हमारी संस्कृति त्यागमयी एवं सभी के कल्याण का विचार करने वाली है। इस कारण विश्व शांति की गारंटी भारतीय संस्कृति ही है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमको इस सांस्कृतिक गौरव का ही स्मरण कराती है। हम स्वयं एवं आने वाली पीढ़ी में अपने महापुरुषों, अपनी परंपराओं के प्रति यह गौरव के भाव को जागृत करने का संकल्प लें। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के उत्सव को व्यक्तिगत के साथ-साथ समाज का उत्सव बनाते हुए, हम अपने व्यक्तिगत जीवन एवं समाज जीवन में यह संकल्प ले तब नव वर्ष की सार्थकता सिद्ध होगी। ।•••

लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

ज्ञानपीठ : समूचे छत्तीसगढ़ का सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रसिद्ध कवि व लेखक विनोद कुमार शुक्ल को प्रतिष्ठित 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिलने पर श्री शुक्ल के निवास जाकर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर श्री साय ने कहा कि यह सम्मान समूचे छत्तीसगढ़ का है। मुख्यमंत्री साय ने विनोद जी के परिजनों से भी भेंट की। उन्होंने श्री शुक्ल के कुशल स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना की।

"एक राष्ट्र-एक चुनाव" को लेकर चलेगा अभियान : शर्मा

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व "एक राष्ट्र-एक चुनाव" अभियान के प्रदेश प्रभारी शिवरतन शर्मा ने कहा कि पूरे देश में "एक राष्ट्र-एक चुनाव" को लेकर जन जागरण का कार्यक्रम भी चल रहा है। इस दृष्टिकोण से अप्रैल माह में प्रत्येक जिले में कार्यक्रम संपन्न होगा। यह कार्यक्रम संगठन के स्तर पर प्रत्येक जिलों में होना है। 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक इन कार्यक्रमों को संपन्न करना है। कार्यक्रम में सांसद, विधायक सहित सबकी सहभागिता होगी। इन कार्यक्रमों में बुद्धिजीवियों को आमंत्रित किया जायेगा। सभी नगरीय निकायों व त्रि-स्तरीय पंचायतों में "एक राष्ट्र-एक चुनाव" के लिए प्रस्ताव पारित करना है। प्रस्ताव की एक प्रति राष्ट्रपति के पास, एक प्रति केन्द्रीय कार्यालय और एक प्रति प्रदेश कार्यालय को भेजनी होगी। उन्होंने इस अभियान से सभी को जुड़ने की अपील की है, ताकि इसे सफल बनाया जाए। राष्ट्र के विकास व मजबूत लोकतंत्र के लिए "एक राष्ट्र-एक चुनाव" जरूरी है।

दीपक बैज अपनी पार्टी की चिंता करें : गुप्ता

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि जिस कांग्रेस में कदम-कदम पर घमासान और अंतर्कलह के नजारे पेश हो रहे हैं, उस कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज भाजपा के संगठनात्मक विषयों की चिंता में दुबले होते जा रहे हैं। उन्हें अपनी कांग्रेस पार्टी की चिंता करनी चाहिए। जहाँ जिला अध्यक्षों की दूसरी सूची अब तक अधर में लटकी हुई है। प्रदेश के बड़े नेताओं की आपसी प्रतिद्वंद्विता का आलम तो यह हो गया है कि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व भी प्रदेश के कांग्रेत जिला अध्यक्षों की दूसरी सूची तय करने में पसीना-पसीना हुआ जा रहा है! श्री गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस अभी तो यही तय नहीं कर पा रही है कि विधानसभा से लेकर निकाय-पंचायत चुनावों तक में कांग्रेस की दुर्गति के लिए कौन जवाबदेह है? इसी अंतर्कलह औल सत्ता-संघर्ष में खुद श्री बैज की लोकसभा टिकट कट गई।

किसानों के हित में हो रहा कार्य : ठाकुर

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री आलोक ठाकुर ने कहा कि अन्नदाता किसानों के कल्याण और उनकी समृद्धि के लिए अनेक क्रांतिकारी कदम उठाए। प्रदेश के पंजीकृत किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की गई और समर्थन मूल्य पर भुगतान व एकमुश्त अंतर की राशि किसानों के खाते में सीधे जमा हो रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण की प्रति मानक बोरा दर बढ़ाकर संग्राहकों को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाया गया है। प्रदेश सरकार ने 5.62 लाख भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने का भी ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इसके साथ ही प्रदेश के करीब 18 लाख किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारें लगातार किसानों के हित में कार्य कर रही है।

प्रदेश भर में हुआ विविध कार्यक्रम : वर्मा

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि भाजपा के 46वें स्थापना दिवस से लेकर भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती तक पूरे प्रदेश में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पार्टी स्थापना दिवस के मौके पर 6 और 7 अप्रैल को प्रत्येक बूथों, कार्यालयों, अपने-अपने घरों और कार्यकर्ताओं के घरों पर भाजपा का झण्डा फहराया गया। इसी श्रृंखला में 8-9 अप्रैल को सभी मंडल विधानसभा स्तर पर सक्रिय सदस्यों का सम्मलेन किया गया। वहीं 10-11 अप्रैल को ग्राम, बस्ती, बूथों पर घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों पर प्रदर्शनी लगाई गई। डॉ. बाबासाहेब की जयंती से एक दिन पूर्व 13 अप्रैल को डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। 14 अप्रैल को सभी जिला और मंडल मुख्यालय पर माल्यार्पण कर उनके जीवन-वृत्त पर चर्चा हुई।

सौगात-ए-मोदी...

भाजपा जिला कार्यालय एकात्म परिसर में अल्पसंख्यक मोर्चा ने केन्द्रीय नेतृत्व के आह्वान पर "सौगात-ए-मोदी" कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के 150 महिलाओं एवं बच्चों को सौगात किट भेंट की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि मुसलमान समाज जागरूक हो गया है। भाजपा सदैव सर्व समाज के हित में काम करती है। कुछ विरोधी तत्व केवल साजिश कर भ्रम फैलाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ में जुटी होती है। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा सौगात के रूप में मुस्लिम समाज को प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, सहित कई योजनाओं की सौगात दे रही है। वहीं मुस्लिम बहनों को बिना किसी भेदभाव के महतारी वंदन योजना का लाभ दे रही है। इस मौके पर वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर, महामंत्री मखमूर खान, मिर्जा एजाज बेग, तौकीर रजा, असगर अली, नजमा अजीम, रजिया खान, रेशमा खान, रफी खान, याकुब गनी, नासिर खान, इस्माईल खान, रेहाना खान, सलमान अशरफी, सौरभ सिंह, मैरी फर्नांडीस, गगनदीप सिंह सहित अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सहकारी शिक्षा को लेकर नई शुरुआतः द्विवेदी

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शशिकांत द्विवेदी ने कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 26 मार्च को त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक संसद में पेश किया गया, जो भारतीय सहकारिता के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। इसका उद्देश्य सहकारी क्षेत्र में शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण में क्रांति लाना है। सदन में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना संबंधी विधेयक जो पेश किया गया है उसमें प्रावधान है कि सभी राज्यों के सहकारी प्रशिक्षण संस्थानों को विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्कूल या कॉलेज के रूप में पंजीकृत किया जाएगा, इसमें डिग्री, डिप्लोमा और पीएचडी पाठ्यक्रम होंगे। इससे प्रतिवर्ष करीब 8 लाख लोगों को विश्वविद्यालय से प्रमाण पत्र मिलने की उम्मीद है। इससे देश में सहकारी शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होगी।

समाज के हित में है वक्फ बोर्ड संशोधनः तौकीर

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता तौकीर रजा ने कहा है कि वक्फ संशोधन बिल के लोकसभा में पारित और राज्यसभा में प्रस्तुत होना अल्पसंख्यकों के हित में एक बड़ा कदम है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। अल्प संख्यक आयोग के पूर्व सदस्य श्री रजा ने कहा कि आज पूरा देश और अल्पसंख्यक समुदाय इस संशोधन विधेयक के समर्थन में खड़ा है, सिर्फ कांग्रेस अपने साम्प्रदायिक तुष्टीकरण के एजेंडे के चलते इस विधेयक का विरोध कर रही है। कांग्रेस नहीं चाहती कि ऐसा कठोर प्रावधान हो। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का विरोध करके कांग्रेस देश और अल्पसंख्यक समुदाय को गुमराह कर विपरीत माहौल बनाने की साजिश कर रही है। कांग्रेस अपने मंसूबों में कतई कामयाब नहीं होगी।

प्रेरणादायी व्यक्तित्व जगदीश भैया

16 अप्रैल 1949

4 फरवरी 2013

छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन को सिंचने वालों में जगदीश प्रसाद जैन जी का नाम अग्रगण्य है। उनका जन्म 16 अप्रैल 1949 को हुआ था। उन्होंने अपना समग्र जीवन राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया था। आमजनों को बीच 'जगदीश भैया' के नाम से प्रसिद्ध जगदीश प्रसाद जैन 1956 में वे बाल स्वयं सेवक के तौर पर संघ के शाखा से जुड़े और निरंतर राष्ट्रवादी गतिविधियों से जुड़कर तृतीय वर्ग 1972 में प्रशिक्षित हुए व संघ की ओर से दी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे। भाजपा की स्थापना के बाद वे प्रचारक जीवन से मुक्त होकर पार्टी के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया। तात्कालीन संगठन मंत्री गोविंद सारंग के आग्रह पर जगदीश भैया 1980 से भाजपा संगठनों में कई पदों पर रहे, उसके पश्चात 1989-90 रायपुर शहर जिला अध्यक्ष बनाये गये। इसके उपरांत अनवरत संगठन के विस्तार के लिए जुटे रहे। उनके नेतृत्व में 1992 में राममंदिर के लिए कार सेवकों जत्था आयोध्या के लिए रवाना हुआ था। इस यात्रा की सफलता पर संगठन के प्रमुखों ने उन्हें शुभकामनाएं देते कहा था कि यात्रा ऐतिहासिक रही है। सदैव अपना सर्वत्र न्यौछावर कर अनवरत जुटे रहे वाले जगदीश भैया छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद भाजपा के प्रथम प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी रहे। इस कार्य में वे हमेशा जुटे रहे कि कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया विचारधारा के साथ अनुशासन पूर्ण हो सके। इसके लिए वह पूरे प्रदेश में प्रवास कर भाजपा की नई पीढ़ी को तैयार करने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया था।

> *"जगदीश भैया हम सबके अनुकरणीय रहे हैं, वे सदैव संगठन के विस्तार के लिए जुटे रहे हैं। हम जैसे कार्यकर्ताओं ने उनसे वैचारिक संस्कार लिया है। विषम परिस्थितियों में संगठन और समाज के लिए कार्य कैसा करना है। उसके लिए प्रेरणास्त्रोत हमेशा रहेंगे। वह कार्यकर्ताओं के निर्माण के एक संस्थान जैसे थे।"*
>
> **-राजेश मूणत,**
> **पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक**

इसके साथ ही भाजपा के वैचारिक साहित्य के प्रकाशन से लेकर एकात्म परिसर कार्यालय निर्माण में उनकी भूमिका की चर्चा सर्वत्र होती है। वह सदैव सबको सहयोग कर समाज के मुख्य धारा में जोड़ने का भाव रखते थे। इसलिए उनके कर्मयोग को हमेशा याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ में सदैव प्रवास पर आने वाले हर राष्ट्र नेता के प्रवास की संपूर्ण जिम्मेदारी जगदीश भैया की होती थी। उनके अनुशासन संगठनात्मक कार्यशैली व संगठन के प्रति समर्पण सबके लिए प्रेरणादायी रहा है। उनका निधन 4 फरवरी 2013 को हो गया। उनके निरंतर क्रियाशीलता और वैचारिक अनुष्ठान से राष्ट्रवाद के महायज्ञ में जो आहूति उनकी रही है उससे ही कार्यकर्ताओं के नई पीढ़ी का निर्माण हुआ है। जो हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्त्रोत रहा है। उनकी संगठनात्मक कार्ययोजना सदैव श्रेष्ठ रही है। सदैव सबके बीच सामाजिक जीवन में अंत्योदय की स्थापना को लेकर उनके अनुकरणीय कार्य हर युग में याद किये जायेंगे।

पत्रिका दीप कमल के इस अंक का पीडीएफ प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्केन करें।

निवेदन

दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं। फोन या मोबाइल नंबर पर भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर डूमरतराई, रायपुर। (छत्तीसगढ़), मोबाइल नं. : 92016-33511, फोन : 0771-2233500
Email : mydeepkamal@gmail.com

राष्ट्र प्रथम
46वाँ
भाजपा स्थापना दिवस

स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी की गौरवमयी यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करते पार्टी के नेतागण।

RNI No.CHHHIN/2004/13926
डाक पंजी. क्रमांक : छ.ग./रायपुर संभाग/78/2023-25

Photo of The Month